हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 21 दिसंबर 2025

तापमान

अधिकतम 24 .8 डिग्री
न्यूनतम 5 .2 डिग्री

12 निगम चुनाव, वार्डबंदी पर आपत्तियों पर सुनवाई पूरी

12 कोहरे ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार, लेट होने से परेशान

खबर संक्षेप

डीन एकेडमिक अफेयर्स बने प्रो. रणधीर सिंह

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के आदेशानुसार आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. रणधीर सिंह को आगामी दो वर्ष तक डीन एकेडमिक अफेयर्स नियुक्त किया गया है। डीन एकेडमिक अफेयर्स के पद पर नियुक्ति होने पर कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान, कुलसचिव प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह तोमर, आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. आशीष मेहता, प्रॉक्टर प्रो. सतीश वत्स, आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. राजा सिंगला तथा स्त्री रोग विभाग के प्रो. जितेश कुमार पंडा ने उन्हें बुके भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

हेरोइन तस्करी में दो आरोपी काबू

अंबाला। थाना अंबाला छावनी एरिया से नशा तस्करी के मामले में आरोपी लखन व रोहित उर्फ रिंकू बिल्ला को 13 ग्राम 53 मिलिग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया गया है। एएनसी के पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करते हैं। इसी आधार पर पुलिस ने वाल्मीकि धर्मशाला के पास नाकाबंदी कर दोनों आरोपियों को काबू किया। तलाशी के दौरान उनसे 13 ग्राम 53 मिलिग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पीएनबी ने पीड़ित परिवार को तीस लाख दिए

पानीपत। पंजाब नेशनल बैंक ने कपूर इंडस्ट्रीज में कार्यरत दिवंगत अमित कुमार, जो कुछ दिन पूर्व एक हादसे का शिकार हो गए थे, का मासिक वेतन पंजाब नेशनल बैंक के सैलरी खाते में जमा होता था। वहीं, पीएनबी द्वारा अपने सैलरी खाताधारकों को 30 लाख से लेकर 1 करोड़ रुपये तक का निःशुल्क बीमा कवर उपलब्ध कराया जाता है। इसी योजना के अंतर्गत बैंक ने दिवंगत अमित कुमार के उत्तराधिकारी रामपाल लांबा को 30 लाख रुपये का बीमा चेक प्रदान किया है।

जीओ गीता संस्थान में गीता प्रवाह संगोष्ठी आज

कुरुक्षेत्र। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के बाद गीता शोध केंद्र की ओर से गीता प्रवाह की नई पहल शुरू की गई। गीता प्रवाह संगोष्ठी का उद्देश्य कुरुक्षेत्र को आध्यात्मिक संवाद के जीवंत केंद्र के रूप में स्थापित करना है। लिहाजा, इसी कड़ी में जीओ गीता संस्थान में गीता प्रवाह संगोष्ठी का 21 दिसंबर को शुभारंभ होगा। यह संगोष्ठी हर महीने होगी, जिसमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज गीता का शाश्वत संदेश देंगे। गीता प्रवाह संगोष्ठी के साथ विश्व ध्यान दिवस पर भी ध्यान साधाना के जरिये शांति का संदेश दिया जाएगा। जीओ गीता सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने बताया कि 21 दिसंबर की सायं को गीता प्रवाह संगोष्ठी के बाद विश्व ध्यान दिवस पर ध्यान साधना सत्र का आयोजन किया जाएगा। विश्व ध्यान दिवस पर आयोजित ध्यान साधना सत्र का थीम, गीता संग जीने का ढंग बनाएं, ध्यान जीवन का अंग बनाएं यानी आज के तनावपूर्ण और भागदौड़ भरे जीवन में ध्यान ही वह साधन है, जो मन, बुद्धि और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है।

सस्ती दरों पर लोन दिलवाने का झांसा देने वाले गिरोह के 8 लोगों पर केस

खनन कारोबारी को 15 करोड़ का लोन दिलवाने का झांसा देकर 97 लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

खनन कारोबारी को लोन दिलवाने का झांसा देकर 97 लाख रुपये ठग लिए गए। आरोप महाराष्ट्र के मुंबई के रुद्रा ट्रेडर्स के संचालक प्रदीप रुद्रा, कर्नाटक के बंगलुरु निवासी शाहजी योहानन, गोरेगांव ईस्ट निवासी परवेज नुमारी, पुंडुचेरी निवासी अरूल राजेंद्रन, ईस्ट मुंबई निवासी संजय रामअवतार, नवी मुंबई निवासी फिरोज बगदादी, ईस्ट मुंबई निवासी दलीप लालू व दिल्ली साउथ वेस्ट निवासी अनिल सिंह पर लगा है। बिलासपुर थाना पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, भिवानी जिले के गांव लेघाभानान निवासी प्रदीप कुमार का चरखी दादरी के गांव बिरही कलां में कन्हैया स्टोन क्रशर है। उसके बड़े भाई संदीप कुमार का 19 फरवरी 2025 को उसका निधन हो गया था। संदीप की व्यासपुर थाना क्षेत्र के गांव धनौरा में जेपी वाई कंसोर्टियम प्राइवेट लिमिटेड के नाम से माइनिंग फर्म थी। उसने यह फर्म 2018 में बनाई थी। वर्ष 2018 में ही सरकार से दस वर्ष के लिए माइनिंग का छह करोड़ 70 लाख 50 हजार रुपये सालाना किस्त के हिसाब से ठेका लिया था, जिसकी 67 लाख रुपये प्रति माह किस्त भरनी होती थी। माइनिंग विभाग से खनन का जो काम लीज पर लिया था, उसके लिए संदीप ने अपने मुंबई में लोहे के कारोबारी ईश्वर सिंह की संपत्ति के दस्तावेज खनन विभाग में जमा कराए हुए थे। वर्ष 2022-23 में माइनिंग का कार्य बंद हो गया। काम में हानि होने के कारण माइनिंग विभाग की किस्त समय पर नहीं भरी गई। इस बारे में संदीप ने अपने भाई प्रदीप कुमार से बात की।

खनन में घाटा होने पर लोन की जरूरत थी

खनन के व्यवसाय में हानि के बारे में ईश्वर सिंह को बताया तो उनके माध्यम से जून 2023 में प्रदीप रूद्रा से संपर्क हुआ। उसने व्यवसाय कार्य के लिए 15 करोड़ रुपये लोन दिलाने का आश्वासन दिया था। आश्वस्त किया था कि उसके काफी फाइनेंसर जानकार हैं। वह सस्ते ब्याज पर 15 करोड़ रुपये का लोन करा देंगे। कमीशन के तौर एक करोड़ 15 लाख रुपये मांगे। जिस पर सहमति दे दी। आरोपित ने फर्म से संबंधित सभी दस्तावेज लिए। इसके बाद लोन की कार्रवाई कराने के नाम पर अलग-अलग कर 97 लाख 42 हजार रुपये ले लिए। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

अब स्कूल संचालक से 15 लाख की रंगदारी मांगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत में चार प्राइवेट स्कूलों के चेयरमैन को धमकी भरा ई-मेल भेज कर 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। वहीं धमकी भेजने वाले ने अपना बैंक अकाउंट नंबर भी पीड़ित को दिया है। इधर, आरोपी ने पीड़ित को रंगदारी नहीं देने पर परिवार समेत मारने की धमकी दी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, डीएसपी मुख्यालय सतीश वत्स ने कहा कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रंगदारी की डिमांड करने के आरोप में केस दर्ज कर कर जांच शुरू कर दी है। जल्द ही इस केस का खुलासा किया जाएगा। वहीं, इससे पहले पानीपत के ही सेक्टर-12 हुडा में रहने वाले यशपाल गर्ग ने थाना चांदनी बाग में दी शिकायत में बताया था कि 18 दिसंबर की सुबह करीब 11:08 बजे उनके पास एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने अपना नाम संदीप राणा बताया और कहा कि वह बंबीहा गैंग से है। उसने उससे 2.5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी।

अंबाला। अवैध कॉलोनियों में हुए निर्माण ढहाती जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

अवैध कॉलोनियों में बने 60 निर्माण ढहाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

जिला नगर योजनाकार के दस्ते द्वारा अर्बन एरिया के गांव बुडियों तथा गांव पत्ती भगेडू में लगभग 40.0 एकड़ में अवैध रूप से विकसित की जा रही 13 अवैध कॉलोनियों में तोड़-फोड़ की कार्रवाई की।

इस दौरान अवैध कॉलोनीयों में बनी हुई कच्ची सडक़ों के जाल तथा लगभग 60 निर्माणों को पूर्ण रूप से धवस्त कर दिया गया। मौका पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट कम जिला नगर योजनाकार रोहित चौहान, कनिष्ठ अभियंता अभिषेक कौशिक, क्षेत्रान्वेषक रविंद्र, एसएचओ इंफोर्समेंट, एसएचओ मुलाना भारी पुलिस बल के साथ उपस्थित थे। जिला नगर योजनाकार रोहित चौहान ने लोगों से अपील की है कि कस्बे में कई भूमालिक व प्रॉपट्री डीलर अवैध कॉलोनियों में सस्ते प्लाट का लालच देकर लोगों को ठग रहे हैं।

उन्होंने लोगों से आग्रह है कि वे ऐसी की लालच न आएं। इन अवैध कालोनियों में प्लाट खरीदना व बेचना गैरकानूनी है।

शुक्रवार रात करनाल में बस पलटने से कई घायल

रोडवेज बस पलटने पर दिए जांच के आदेश

करनाल के आईटीआई चौक के पास पलटी रोडवेज बस।

- एडवाइजरी के बावजूद 60 किमी से अधिक रफ्तार पर सवाल, विज के सख्त तेवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल में शुक्रवार रात हरियाणा रोडवेज की बस के पलटने की घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के परिवहन मंत्री अनिल विज ने मामले की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि घने कोहरे और धुंध के मौसम को देखते हुए विभाग की ओर से पहले ही एडवाइजरी जारी की जा चुकी है, जिसमें 60 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक गति से वाहन न चलाने के निर्देश हैं।

इसके बावजूद यदि बस चालक ने लापरवाही बरती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस ने भी बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह हादसा शुक्रवार देर रात करनाल के आईटीआई चौक के पास हाईवे पर हुआ। हरियाणा रोडवेज की बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी ग्रिलों को तोड़ते हुए पलट गई। बस में उस समय करीब 40 से 45 यात्री सवार थे। हादसे में दो से तीन यात्रियों को गंभीर चोटें आईं, जबकि कुल आठ यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अन्य यात्रियों को भी हल्की-फुल्की चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और बस में सवार यात्रियों के अनुसार सोनीपत डिपो की यह बस काफी तेज रफ्तार में चलाई जा रही थी। बस के अंदर तेज आवाज में गाने बज रहे थे। यात्रियों ने कई बार चालक से गति कम करने को कहा, लेकिन उसने किसी की बात नहीं मानी। धुंध के कारण दृश्यता कम होने के बावजूद तेज रफ्तार बनाए रखने से बस का संतुलन बिगड़ गया और यह बड़ा हादसा हो गया। सेक्टर-32-33 थाना के एसएचओ मनोज कुमार ने बताया कि इस मामले में जुंडला गांव निवासी एक महिला की शिकायत के आधार पर बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

घर में घुसकर व्यक्ति को पीटा, 12 पर केस

यमुनानगर। शहर की रणजीत कॉलोनी में कहासुनी होने पर दो युवकों ने अपने 10 साथियों के साथ मिलकर एक घर में घुसकर व्यक्ति के साथ मारपीट की, जिससे व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दो आरोपी युवकों को नामजद करते हुए 10 अन्य युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

शहर की रणजीत कॉलोनी निवासी शिवराज ने गांधीनगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी कुछ दिन पहले कॉलोनी के ही सूरज व राहुल के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था मगर उसके बाद से आरोपी सूरज व राहुल उससे रंजिश रखे हुए थे। शिवराज ने बताया कि 15 दिसंबर को रात के समय आरोपी सूरज व राहुल रंजिश के चलते अपने 10 अन्य साथियों के साथ मिलकर उनके घर में घुसकर पीटा।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 4 कुख्यात शूटर पकड़े, हथियारों का जखीरा बरामद

- हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स की बड़ी सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला/कुरुक्षेत्र

हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स इकाई अंबाला ने संगठित अपराध के विरुद्ध एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े चार अतिवांछित शूटरों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियारों का जखीरा भी बरामद किया गया है।

विश्वसनीय इनपुट के आधार पर एसटीएफ अंबाला की टीम ने ले-बाई जीटी रोड, उमरी क्षेत्र में योजनाबद्ध घेराबंदी कर चारों शूटरों को काबू किया। तलाशी के दौरान उनके पास से तीन अवैध देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जिससे किसी बड़ी वारदात की मंशा स्पष्ट होती है।

जांच में यह भी उजागर हुआ है कि गिरफ्तार आरोपियों में से कुछ पहले भी जघन्य अपराधों में जेल जा चुके हैं और जमानत पर रिहा होने के बाद दोबारा संगठित अपराध में सक्रिय हो गए थे। ये सभी आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गैंग को मजबूत करने के इरादे से लगातार हिंसक वारदातों की तैयारी कर रहे थे।

फिरौती और बड़ी साजिश का खुलासा

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी रेवाड़ी–नारनौल हाईवे स्थित टोल प्लाजा पर फिरौती के उद्देश्य से फायरिंग की वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इसके अलावा झारखंड के रांची में भी किसी गंभीर आपराधिक घटना को अंजाम देने की साजिश रची जा रही थी। इस संबंध में थाना सदर, थानेसर (जिला कुरुक्षेत्र) में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर उनके नेटवर्क, सहयोगियों और संभावित टारगेट्स के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। हरियाणा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि राज्य में संगठित अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त और निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। यह सफलता प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नशा तस्कर को 20 साल की कैद

पानीपत। योगेश चौधरी असिस्टेंट सेशन जज कम फास्ट ट्रैक कोर्ट एनडीपीएस की अदालत ने नशा तस्करी के आरोपी बिजेंद्र उर्फ बिंद्र पुत्र रामकिशन निवासी गांव जौरासी खालसा जिला पानीपत को दोषी करार देते हुए उसे 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वहीं बिजेंद्र पर दो लाख रुपये का जुर्माना किया। जुर्माना नहीं देने पर दोषी बिजेंद्र को दो साल का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। स्मरणीय है कि पानीपत पुलिस ने बिजेंद्र को 29 दिसंबर 2020 को मादक पदार्थ की खेप के साथ गिरफ्तार किया था। वहीं बिजेंद्र के खिलाफ थाना बापौली में 20 व 29 एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत केस दर्ज करवाया गया था। स्मरणीय है कि सरकारी वकील कुलदीप ढुल ने आरोपी बिजेंद्र के खिलाफ सशक्त पेरवी की और योगेश चौधरी की अदालत में साक्ष्य पेश किए थे। सरकारी वकील ढुल के सशक्त प्रयासों के चलते ही नशा तस्कर बिजेंद्र को सजा हुई है।

पश्चिमी यमुना नहर से बरामद हुआ लापता हरविंदर सिंह का शव

यमुनानगर। सात दिन पहले 13 दिसंबर से घर से लापता हुए हरविंदर सिंह का शव पश्चिमी यमुना नहर रादौर के पास बरामद हुआ। सूचना मिलने पर अर्जुन नगर पुलिस चौकी टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, अर्जुन नगर कॉलोनी निवासी 58 वर्षीय हरविंदर सिंह ड्राइवरी करता है और वह 13 दिसंबर को घर से अपनी बाइक लेने के लिए मुंडा माजरा गया था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचा। जब देर शाम तक हरविंदर सिंह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने आसपास उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं लगा। उन्होंने 15 दिसंबर को इसकी गुमशुदगी की सूचना अर्जुन नगर चौकी में दी। पुलिस ने लापता का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। पुलिस को देर रात राढौर के पास पश्चिम यमुना नहर में एक शव दिखाई दिया। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। इसकी सूचना हरविंदर सिंह के परिजनों को दी गई। परिजन मौके पर पहुंचे। पहचान होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया।

सैलून में पत्नी से मारपीट कर गला काटने की कोशिश, आठ साल पहले किया था प्रेम विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत में सैलून चलाने वाली विवाहिता ने अपने पति अजय पर उसके साथ सैलून के अंदार आकर मारपीट करने व शीशा तोड़कर उससे उसका गला रेतने की चेष्टा करने का आरोप लगाया है। विवाहिता ने जैसे तैसे अजय से अपनी जान बचाई और घटना की सूचना पुलिस को दी।

इधर, थाना चांदनी बाग पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल विवाहिता को अस्पताल भिजवा कर मामले की जांच शुरू की। इधर, थाना चांदनी बाग पुलिस को दी शिकायत में हुडा सेक्टर 12 निवासी विवाहिता ने बताया कि उसने 10 जनवरी 2018 को अजय से प्रेम विवाह किया था। वहीं, विवाह के अजय कुछ दिन ठीक रहा, लेकिन फिर लड़ना- झगड़ना शुरू कर दिया। वह मारपीट करता और खर्चा नहीं देता था। इसलिए, उसने जीवन यापन के लिए मेकओवर सैलून शुरू कर लिया। विवाहिता का आरोप है कि अजय उसके चरित्र पर शक करता है और उसका सैलून बंद करवाना चाहता है। दूसरी ओर, थाना चांदनी बाग पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर उसके पति अजय पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आयोजन हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व जिला प्रशासन ने करवाया कार्यक्रम

वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में करवाया लाइट एंड साउंड शो

सफर ए शहादत में चार साहिबजादों की वीर गाथा व बलिदान को किया जीवंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर चार साहिबजादों की वीर गाथा व बलिदान को सफर ए शहादत पर आधारित लाइट एंड साउंड में दिखाने का अनोखा प्रयास किया गया। अहम पहलु यह है कि सिख गुरुओं की धरा पर यह लाइट एंड साउंड शो वीर बाल दिवस को लेकर आयोजित किया गया।

हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व जिला प्रशासन के सौजन्य से शुक्रवार को मल्टी आर्ट कल्चर सेंटर की भरतमुणि रंगशाला के सभागार में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में साहिबजादों की शहादत को समर्पित लाइट एंड साउंड शो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस लाइट एंड साउंड शो कार्यक्रम में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह व साहिबजादे बाबा फतेह सिंह की अद्वितीय शहादत को एक अनूठे तरीके से श्रद्धांजलि दी गई। विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा कि वीर बाल दिवस पर सफर-ए-शहादत में चार साहिबजादों की शहादत को दिखाने का प्रयास किया। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है और देश के महान व्यक्तित्व और कुर्बानियों की गाथाओं को जानने का अवसर मिलता है।

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और चार साहिबजादों की वीर गाथाओं और शहादत को पूरे देश में याद किया ज रहा है। इस बलिदान को ताउम्र याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार प्रदेश के हर जिले में चार साहिबजादों की शहादत को लेकर लाइट एंड साउंड कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य हरमनप्रीत सिंह, वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी कंवलजीत सिंह अजराना, पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष रामकुमार रम्बा, पार्षद मनिंद्र सिंह छिंदा, नरेंद्र राजू चौहान, महिन्द्र मेहता, सेवानिवृत डीएसओ यशवीर सिंह, सेवानिवृत चीफ हॉकी कोच गुरविन्द्र सिंह, एआईपीआरओ बलराम शर्मा, अधीक्षक हाकिम सिंह, मैक से धर्मपाल, विकास शर्मा, हॉकी खिलाड़ी अमतोज सिंह सहित अन्य गणमान्य पार्षदगण, अधिकारीगण व विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

कुरुक्षेत्र। लाइट एंड साउंड शो में मौजूद गणमान्य नागरिक।

दस वर्ष पुराने आधार को अपडेट कराना अनिवार्य

- यूआईडीआई ने आधार कार्ड अपडेट की तिथि 14 जून 2026 तक बढ़ाई
- यह सुविधा केवल माय आधार पोर्टल पर उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा आधार कार्ड को निःशुल्क अपडेट कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 14 जून 2026 कर दी गई है। यह सुविधा केवल माय आधार पोर्टल पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आधार अपडेट के दौरान नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर जैसे डेमोग्राफिक विवरणों को अद्यतन किया जा सकता है। इसके लिए नागरिकों को पहचान व पते से संबंधित निर्धारित दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। ऑनलाइन अपडेट की सुविधा उन्हीं नागरिकों को उपलब्ध होगी जिनका मोबाइल नंबर आधार से लिंक है। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड एक अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है, इसलिए दस वर्ष पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराना आवश्यक है। निर्धारित तिथि के बाद अपडेट के लिए शुल्क देना होगा। नागरिक सीएससी केंद्र या नजदीकी आधार सेवा केंद्र पर जाकर भी यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

मृतका के पति समेत तीन पर केस दर्ज

यमुनानगर। गांव कोतरखाना में देर शाम जहरीला पदार्थ खाने से हुई महिला की मौत के मामले में पुलिस ने मृतका के पति समेत ससुराल पक्ष के तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। गांव भगवानपुर निवासी नवाब ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी बहन समीना की शादी गांव कोतर खाना निवासी जुल्फान के साथ की थी।

देश और प्रदेश उन्नति के पथ पर हो रहे अग्रसर

यमुनानगर। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिं सैनी के नेतृत्व में देश और प्रदेश उन्नति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने उक्त शब्द शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पार्टी की जिला कार्यकारिणी की बैठक में बतौर मुख्यातिथि कहे। इस दौरान बैटक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने की। मौके पर विशिष्ठ अतिथि के रुप में सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल मौजूद रहे।

व्यक्ति ने युवती के साथ की छेड़छाड़

यमुनानगर। छछरौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 21 वर्षीय युवती के साथ व्यक्ति द्वारा छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। छछरौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 21 वर्षीय युवती ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 19 दिसंबर को सुबह नौ बजे गांव फतेहगढ़ तुंबी में किसी काम से गई थी। इस दौरान वहां पर अमरेंद्र सिंह नाम के व्यक्ति ने उसे रास्ते में रोक लिया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी।

रैन बसेरों में अब तक 517 बेसहारा कर रहे हैं ठिठुरती ठंड में रात्रि विश्राम

बेसहारों के लिए ट्विन सिटी के चार रैन बसेरा बन रहे सहारा, सभी व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर प्रशासन द्वारा ठिठूरती ठंड से बेसहारों को बचाने के लिए शह में चार रैन बसेरे बनाए हैं। जिनमें ठहरने के लिए गर्म कंबल, गद्दे, पेयजल सुविधा समेत अन्य व्यवस्थाएं बेसहारों के लिए मुहैया करवाई गई हैं। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने रैन बसेरों में बेसहारों के लिए सभी व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए हैं।

यमुनानगर। रैन बसेरा में आने वाले लोगों की रजिस्टर में एंट्री जांचते निगम अधिकारी।

नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने बताया कि नगर निगम द्वारा असहाय, बेघर और जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत दिलाने और उन्हें सुरक्षित, गर्म एवं सम्मानजनक आश्रय उपलब्ध कराने के लिए रैन बसेरों की व्यवस्था की गई है। रैन बसेरों में गर्म कंबलए गद्दों की सुविधा, स्वच्छ एवं सुरक्षित रहने का स्थान दिया गया है।

सभी रैन बसेरों में निगरानी और सहायता के लिए निगम कर्मचारियों की तैनाती की गई है। रैन बसेरों को रोजाना शाम छह बजे खोल दिया जाता है। यहां आने वाले हर व्यक्ति की एंट्री की जाती है। हमारा प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति इस कठोर ठंड में खुले आसमान के नीचे न सोए। नगर निगम की टीम द्वारा लगातार शहर में गश्त कर जरूरतमंदों को रैन बसेरों तक पहुंचाया भी जा रहा है।

आमजन से अपील है कि अगर आपके आस पास कोई व्यक्ति खुले में ठंड में रात बिताता दिखाई देए तो उसे नजदीकी रैन बसेरे की जानकारी दें या उसे रैन बसेरे में पहुंचाए या नगर निगम को सूचित करें।

लोगों की रजिस्टर में की जा रही एंट्री

नगर निगम के टीएफआई गोपाल बक्शी ने बताया कि नगर निगम द्वारा व्यवस्थित कराए गए चारों रैन बसेरों में गत एक नवंबर से अब तक 517 लोग आराम की नींद ले चुके हैं। जिसमें रेलवे स्टेशन के पास बने अस्थाई रैन बसेरे में 146, संत निरंकारी भवन के सामने सुलभ शौचालय के ऊपर बने स्थाई रैन बसेरे में 143, यमुनानगर बस स्टैंड के पास जगाधरी वर्कशॉप रोड पर बने अस्थाई रैन बसेरे में 141 और जगाधरी बस स्टैंड में बने स्थाई रैन बसेरे में 83 लोगों ने आराम किया। रैन बसेरों में आने वाले लोगों की रजिस्टर में एंट्री की जा रही है।

ठिठुरती ठंड में जनजीवन हुआ प्रभावित

मौसम में बनी हाड़तोड़ ठंड ने लोगों की छुटाई कंपकंपी

मौसम में ठंड बढ़ने से तापमान घटकर पहुंचा न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर। शनिवार को कड़ाके की ठंड में अलाव जलाकर सेंकते हुए कामकाजी लोग व घना कोहरा छाए रहने से लाइट जलाकर अपने गंतव्य पर जाते हुए वाहन।

पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी व जिले में पिछले चार दिन से घना कोहरा छाए रहने और शीतलहर चलने मौसम में बनी ठंड ने लोगों की कंपकपी छुटा दी है। मौसम में बनी ठंड के कारण शनिवार को चौथे दिन भी लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। वहीं, कामकाजी लोगों ने अलाव जलाकर व गर्म वस्त्र लपेट कर किसी तरह ठंड से राहत पाने का प्रयास किया। खास बात यह है कि मौसम में दिनों दिन बढ़ रही ठंड से जहां लोग बीमारियों में जकड़ने लगे हैं, वहीं, पशु भी बीमार होने लगे हैं। शनिवार को जिला का तापमान घटकर न्यूतम मात्र 8 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम 18 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। जिससे लोग दिन भर ठंड में ठिठूरते रहे।

सड़कों पर घना कोहरा छाया रहा

ठंड से कुछ राहत मिलेगी। मगर ऐसा नहीं हुआ और लोगों को घने कोहरे व शीतलहर का सामना करना पड़ा। आलम यह रहा कि दोपहर तक जहां सड़कों पर घना कोहरा छाया रहा, वहीं, शीतलहर चलने के साथ दिन भर आसमान में बादल छाए रहे। जिसकी वजह से मौसम में हाड़तोड़ ठंड बनी रही। खास बात तो यह रही कि दोपहर तक लोग अपने कामधंधे पर जाने के लिए हिम्मत नहीं जुटा सके और अधिकांश लोग घरों में दुबके रहे। इस दौरान जो लोग अपनी दुकानों या अपने गंतव्यों पर पहुंचे, वह या तो हीटर पर या फिर अलाव जलाकर सेंकते नजर आए। वहीं, मौसम में ठंड बने रहने से बुजुर्ग व बच्चों के अलावा पशु भी बीमार होने लगे हैं। जिन्हें बचाने के लिए किसान आग का सहारा ले रहे हैं। कई पशुओं की हालत ऐसी है कि वह सुबह के समय उठ भी नहीं पा रहे हैं। जिन्हें अलाव जलाकर हीट देकर किसी तरह उठाया जा रहा है।

तापमान में आई गिरावट

शनिवार को जिले का न्यूनतम तापमान घटकर 8 सेल्सियस और अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो अगले कुछ दिन तक मौसम में ठंड बढ़ने की संभावना है।

यमुनानगर। बार भवन में न्यायामूर्ति का स्वागत करते हुए बार एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

न्यायमूर्ति अर्चना पूरी ने जिला न्यायालय जगाधरी का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

पंजाब एंड हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति और जिला एवं सत्र न्यायालय के प्रशासनिक अधिकारी न्यायाधीश अर्चना पूरी ने जिला न्यायालय जगाधरी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिला बार एसोसिएशन जगाधरी द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भाग लिया। एसोसिएशन के प्रधान विक्रांत सिंह चौहान समेत बार के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने न्यायमूर्ति का जोरदार स्वागत किया।

न्यायमूर्ति अर्चना पुरी ने अधिवक्ताओं को संबोधित किया। मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रांत सिंह चौहान ने न्यायमूर्ति को बार की समस्याओं से अवगत करवाया गया। उन्होंने न्यायमूर्ति के समक्ष अधिवक्ताओं को चैंबर के लिए जगह, पार्किंग व अस्थाई शैड आदि अन्य मांगों को रखा। माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि जिला बार एसोसिएशन जगाधरी में पहुंचने पर उन्हें बहुत ही सुखद अनुभव हुआ है। उन्होंने कहा कि जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रांत चौहान ने जो भी मांगे रखी हैं । उनको पूरा करवाने का भरसक प्रयास किया जाएगा। मौके पर जिला बार एसोसिएशन जगाधरी के वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा माननीय न्यायमूर्ति को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन बार एसोसिएशन के महा सचिव विशाल गर्ग (अग्रवाल) द्वारा किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन की उप प्रधान सोनिया रोहिल्ला, सह सचिव शुभम गौतम, कोषाध्यक्ष शुभम पाल , पूर्व अध्यक्ष बीएस चौहान, पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार राठौर, पूर्व अध्यक्ष बृजेश प्रताप, अमर सिंह आदि मौजूद थे।

गुरु नानक खालसा कॉलेज की पुरुष टेबल टेनिस टीम ने जीती प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर की पुरूष टेबल टेनिस टीम ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित हुई केयूके इंटर कालेज टेबल टेनिस चैंपियनशिप प्रतियोगिता जीतकर कालेज का नाम रोशन किया है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. अरविंद्र सिंह भल्ला व स्टाफ सदस्यों ने विजेता टीम का संस्थान में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया है।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. अरविंद्र सिंह भल्ला ने बताया कि गत दिवस कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में केयूके इंटर कालेज टेबल टेनिस चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें उनके कालेज के छात्र सागर, अभिमान व रितिक ने भाग लिया।

इस दौरान उनके कालेज की टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए पुरुष टेबल टेनिस चैंपियनशिप प्रतियोगिता को जीत लिया। प्रतियोगिता जीतने के बाद उनके कालेज की टीम के खिलाड़ी सागर, अभिमान और रितिक का अब पंजाब के पटियाला स्थित चितकारा यूनिवर्सिटि में होने वाली नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी टेबल टेनिस चैंपियनशिप में केयूके टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया गया है। जो उनके कालेज के लिए बहुत गर्व की बात है। प्रिंसीपल डॉ. अरविंद्र सिंह भल्ला ने चैंपियनशिप विजेता टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया।

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज में विजेता टीम को सम्मानित करते हुए कॉलेज प्राचार्य व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

विजेता टीम को बधाई दी और शुभकामनाएं दी। मौके पर कालेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने बताया कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने न केवल कॉलेज का नाम रोशन किया है। बल्कि पूरे विद्यार्थी समुदाय को अपने जुनून को प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया है। मौके पर विभाग के प्रभारी डॉ. संजय विज ने कहा कि यह उपलब्धि हमारे खिलाडियों के अथक प्रयासों और मेंटरशिप का परिणाम है। वहीं, टीम मैनेजर प्रो. कवलप्रीत सिंह और प्रो. धीरज ठाकुर आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर व्यक्ति को पीट कर किया घायल

यमुनानगर। शहर की रणजीत कॉलोनी में कहासुनी होने पर दो युवकों ने अपने 10 साथियों के साथ मिलकर एक घर में घुसकर व्यक्ति के साथ मारपीट की। जिस व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दो आरोपी युवकों को नामजद करते हुए 10 अन्य युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर की रणजीत कॉलोनी निवासी शिवराज ने गांधीनगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले कॉलोनी के ही सूरज व राहुल के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था मगर उसके बाद से आरोपी सूरज व राहुल उस रंजिश रखे हुए थे। शिवराज ने बताया कि 15 दिसंबर को रात के समय आरोपी सूरज व राहुल रंजिश के चलते अपने 10 अन्य साथियों के साथ मिलकर उनके घर में घुस गए। मारपीट की आवाज सुनकर जब परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

किसी अनजान पर बच्चों को नहीं करना चाहिए भरोसाः अशोक

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

यमुनानगर। राजकीय स्कूल छछरौली में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को समझाते हुए समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार।

बाल कल्याण समिति और जिला बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छछरौली में मिशन वात्सल्य के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया।

मुख्यातिथि एवं समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार ने विद्यार्थियों और अध्यापकों को समझाया कि बच्चों का संरक्षण एक अहम विषय है। इसके लिए परिजनों व अध्यापकों सभी को जागरूक होना चाहिए। बाल श्रम, बाल विवाह और बाल शोषण पर लगाम के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। बच्चे आसानी से अनजान पर भरोसा कर लेते हैं और आसानी से अपराध का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में सतर्कता और सावधानी से बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों पर लगाम लगा सकते हैं। बच्चों को किशोर न्याय पोक्सो अधिनियम बाल अधिकार विषयों के प्रति जागरूक होना चाहिए। युवाओं को देश के निर्माण में योगदान देना है । इसके लिए सभी को जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी होगी। मौके पर समिति के सदस्य सुशील गुलाटी ने बच्चों को करियर पर फोकस करने के लिए कहा कि सभी अपना लक्ष्य निर्धारित करें। अपनी रुचियों और शक्तियों को समझें। छोटे-छोटे माइलस्टोन बनाकर उन्हें हासिल करने की योजना बनाएं। विकर्षणों को दूर करें। समय का प्रबंधन करें। लगातार नए कौशल सीखें और अपनी प्रगति की नियमित समीक्षा करें। यह आपको अपने पेशेवर लक्ष्यों को प्राप्त करने और लंबी अवधि की सफलता हासिल करने में मदद करेगा। बाल कल्याण समिति ने मौके पर बच्चों से उनकी रुचियों और भविष्य के प्रति समझ पर चर्चा की। बच्चों से किए सवालों के सही उत्तर देने पर उनका उत्साहवर्धन किया। वहीं, बच्चों को नशे से दूर रहने और स्वास्थ्य शिक्षा और भविष्य निर्माण पर ध्यान देने के प्रति प्रेरित किया और नशे से परहेज की शपथ दिलाई।

बच्चों के संरक्षण के लिए किया जा रहा कार्य

कार्यवाहक जिला बाल संरक्षण अधिकारी रंजन शर्मा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास के मिशन वात्सल्य के तहत सभी बच्चों के संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है। बाल देख रेख संस्थानों में निराश्रित बच्चों को आश्रय व आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को स्पोंसरशिप सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। मौके पर गौरव शर्मा ने मिशन वात्सल्य के तहत सुविधाओं की जानकारी दी । स्कूल प्रिंसिपल और शिक्षकों ने बच्चों के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

बैठक जिला सचिवालय में सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित वाहन पॉलिसी के सदस्यों की हुई बैठक

अभिभावक अपने नाबालिग बच्चों को न चलाने दें वाहनः उपायुक्त प्रीति

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की बैठक लघु सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला उपायुक्त प्रीति ने की। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों को जिला को सड़क दुर्घटना रहित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त प्रीति ने कहा कि जिला यातायात एवं सड़क सुरक्षा समिति जो सुझाव दें। उन पर अधिकारी शीघ्रता से संज्ञान लेकर सड़क के उन बिंदुओ पर कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाएं। जहां पर अधिक दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि हमें सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता अवश्य करनी चाहिए। उपायुक्त प्रीति ने सभी वाहन चालकों को आहवान किया कि वह वाहन चलाते समय विशेष सावधानियां बरतें और वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने जिला के सभी स्कूल प्रबंधन, प्रिंसिपल व अभिभावकों को यह सुनिश्चित करने के लिए आहवान किया कि कोई भी नाबालिग बच्चा वाहन न चलाएं और स्कूल, कोचिंग सैंटर संचालक व प्रबंधन यह सुनिश्चित करें कि उनके संस्थान में कोई भी नाबालिग बच्चा वाहन लेकर न आएं। उपायुक्त प्रीति ने जिला के सभी अभिभावकों से अपने नाबालिग बच्चों को स्कूल व कोचिंग संस्थानों में वाहन ले जाने व चलाने की अनुमति नहीं देने के लिए सलाह दी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी व पुलिस यातायात प्रबंधक को निर्देश दिए कि इन आदेशों की पालना करवाना सुनिश्चित करें। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने से जहां एक व्यक्ति की जान जाती है। वहीं, उसके परिवार को भी जीवन भर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए नए ब्लैक स्पॉट व दुर्घटना सम्भावित स्थानों को चिन्हित कर उनकों ठीक किए जाने के निर्देश दिए।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिशा निर्देश देते हुए उपायुक्त प्रीति। फोटो : हरिभूमि

सफेद पट्टी मार्किंग लगाना करें सुनिश्चित

उपायुक्त प्रीति ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी (एनएचएआई), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), पंचायत विभाग, मार्किटिंग बोर्ड व नगर निगम के सभी अधिकारियों को सड़क सुरक्षा को लेकर सभी सड़कों पर सफेद पट्टी मार्किंग लगाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नेशनल हाईवे ऑथारिटी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाईवे को जोड़ने वाले लिंक रोड पर स्पीड ब्रेकर बनाकर, ब्लिंकर लगाकर दुर्घटनाओं में कमी लाएं। उन्होंने यातायात प्रबंधक को निर्देश दिए कि यदि कोई वाहन चालक यातायात के नियमों का पालन नहीं करेरता है तो उसका ई.चालान कर वाहन को जब्त कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। यदि कोई वाहन चालक वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करेगा उसके वाहन का भी ई.चालान कर दिया जाएगा। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि सभी वाहन चालक अपने अपने वाहनों पर लगी प्लेट पर वाहन नंबर अवश्य लिखवा कर रखें। बिना नंबर प्लेट होने पर वाहन का चालान किया जाएगा। मौके पर जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, व्यासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, एसडीएम राढौर नरेन्द्र कुमार, छछरौली के एसडीएम रोहित कुमार, जिला परिवहन अधिकारी हैरतजीत कौर, डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह व जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमलता आदि मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

- पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ किया केस दर्ज

साढ़ौरा थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक शादी का झांसा देकर युवती को अगवा करके ले गया। पुलिस ने युवती के पिता की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार साढ़ौरा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 दिसंबर को वह परिवार के सदस्यों के साथ किसी काम से घर से बाहर गया था। घर पर उसकी 18 वर्षीय लड़की अकेली थी। जब वह दोपहर को घर वापस लौटे तो घर से उन्हें अपनी लड़की गायब मिली। काफी तलाश करने के बाद भी उन्हें अपनी लड़की का कोई भी सुराग नहीं लगा। तलाश करने पर उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को अवतार शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है। उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

मां बाला सुंदरी मंदिर में हवन का समापन

शाहबाद। शाहाबाद मारकंडा स्थित मां बाला सुंदरी मंदिर में मां बगलामुखी का 108 नारियल पूर्ण हवन यज्ञ श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस पावन आयोजन की अध्यक्षता मंदिर के पीठाधीश सतीश कुमार ऋषि राज ने की। हवन यज्ञ का आयोजन जय मां बाला सुंदरी सेवादार मंडली द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सेवादार एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। यज्ञ के दौरान वातावरण मां बगलामुखी के जयकारों से भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में मंडली के प्रमुख सदस्यों राकेश अरोड़ा, राजीव गुप्ता, जितेंद्र आनन्द, मुकेश धीमान, उमेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

268 विद्यार्थियों ने दी संस्कृति ज्ञान परीक्षा

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमीन रोड स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्र / छात्राओं एवं आचार्यों के लिए अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित की गई। प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस परीक्षा का उद्देश्य बच्चों एवं आचार्यों में अपनी संस्कृति का ज्ञान एवं जीवन मूल्यों के प्रति आस्था का निर्माण कर उनमें देश भक्ति एवं अपनी संस्कृति का गौरव भाव जागृत करना है। इस परीक्षा में कुल 388 छात्र-छात्राओं में से 268 ने सहभागिता की।

बाल भवन स्कूल ने मनाया पुरस्कार वितरण समारोह

थानेसर। जिला बाल कल्याण परिषद् द्वारा संचालित बाल भवन पब्लिक स्कूल का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह कला कृति भवन कुरुक्षेत्र में आयोजित किया गया। इसमें नगराधीश आशीष कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण अधिकारी गौरव रोहिल्ला मौजूद रहे। स्कूल प्रधानाध्यापक उमेद सिंह ने बताया समारोह में वर्ष भर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। नगराधीश आशीष कुमार बच्चों को सम्बोधित करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बाल भवन पब्लिक स्कूल का पूरा स्टाफ व अभिभावक गण उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र में जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन

वैज्ञानिक सोच और नवाचार विकसित करने का सशक्त मंच है प्रदर्शनी : डीईओ

कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने सात थीमों पर प्रस्तुत किए विज्ञान मॉडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। वैज्ञानिक प्रदर्शनी का अवलोकन करते जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक। फोटो : हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र में जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने शिरकत की। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने कहा कि राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, तार्किक सोच एवं समस्या समाधान की क्षमता को विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। आज के युग में केवल पाठ्य-पुस्तकीय ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं को पहचानकर उनके वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ तरसेम कौशिक ने बताया कि जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में खंड स्तर पर सभी सातों थीमों में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा 6 से 12वीं के विद्यार्थियों ने अपने अपने मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों के बनाए गए विज्ञान मॉडल्स का मूल्यांकन डाइट पलवल से सीनियर लेक्चरर अनीता, कुलदीप, सुषमा, तथा सियास्ते से डॉ सुमंत, डॉ रामशरण, डॉ रीटा, ऋतु त्यागी, संदीप सांगवान, डॉ सविता, दिनेश अत्री, रामेश्वर दास, राजेंद्र कुमार द्वारा किया गया। डॉ तरसेम कौशिक ने बताया कि सब थीम सतत कृषि में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थानेसर की खुशी प्रथम, पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धूलगढ़ का सागर द्वितीय, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय त्योडा का लवप्रीत तृतीय रहा। उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ सब थीम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय त्योडा का छात्र रवींद्र प्रथम, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र का छात्र द्वितीय तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थानेसर की विधिका तृतीय रही । गणितीय मॉडलिंग में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र का छात्र प्रिंस प्रथम, राजकीय माध्यमिक विद्यालय बरहन द्वितीय तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रतापगढ़ तृतीय रहा।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय कुरुक्षेत्र की छात्रा मानसी प्रथम

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र की छात्रा मानसी प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हथिरा का छात्र समर्थ द्वितीय तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अमीन का छात्र मयंक कुमार तृतीय रहा। जल संरक्षण एवं प्रबंधन सब थीम में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र की छात्रा सुमन प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिहोली का छात्र रघुवंदर द्वितीय तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय बुढ़ा की छात्रा कामना तृतीय रही। डॉ तरसेम कौशिक ने बताया कि अपशिष्ट प्रबंधन में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा की छात्रा राधिका प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय त्योडा का छात्र पारस द्वितीय तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उमरी का छात्र एकमजीत तृतीय रहा। हरित ऊर्जा सब थीम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कमोदा की छात्रा स्वाति प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पीपली का छात्र रिहान द्वितीय तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय बरहन का छात्र गौरव तृतीय रहा। इस अवसर पर रामेश्वर दास, राजेंद्र कुमार, अली शेर, रविदत्त, देवी दयाल, रणबीर सिंह, जय प्रकाश, पूजा, जयप्रीत, सुमन बाला, सुमन मल्होत्रा इत्यादि शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। डॉ तरसेम कौशिक ने बताया की जिला स्तर पर प्रथम तथा द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 2100, 1800 तथा 1500 रुपये की राशि ईनाम के रूप में विद्यार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। डॉ तरसेम कौशिक ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में सहभागिता से पहले सभी अपने अपने मॉडल को अपडेट अवश्य कर लें तथा सभी जरूरी हिदायतों का पालन करें ताकि राष्ट्रीय स्तर पर हमारे विद्यार्थियों का चयन को सके।

सांसद खेल महोत्सव में खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन, कई टीमें फाइनल की ओर अग्रसर

लोकसभा स्तरीय मुकाबलों में दिखा खेल प्रतिभा का नजारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन मेंबर आयोजित सांसद खेल महोत्सव के तीसरे चरण की लोकसभा स्तरीय प्रतियोगिताओं के अंतर्गत आज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं द्रोणाचार्य स्टेडियम में विभिन्न खेलों के रोमांचक मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने पूरे जोश, अनुशासन और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दिनभर चले मुकाबलों में कई टीमों और खिलाड़ियों ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में अपनी जगह पक्की की। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सात कड़े मुकाबलों के बाद कलायत ए, रादौर ए, पुण्डरी ए, थानेसर ए और थानेसर बी की टीमों ने अगले चरण में प्रवेश किया। वहीं कबड्डी प्रतियोगिता के सात मुकाबलों के बाद पुण्डरी ए की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। विश्वविद्यालय के आर्चरी ग्राउंड में आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता में समीर ने प्रथम, अमन्त सिंह ने द्वितीय तथा रवि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में नौ टीमों के बीच आठ मुकाबले खेले गए, जिनमें कलायत बी की टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

द्रोणाचार्य स्टेडियम में आयोजित जूडो प्रतियोगिता के 73 किलो भार वर्ग में रोहित ने प्रथम, गुरप्रीत द्वितीय और आर्यन तृतीय स्थान पर रहा।

कुश्ती में मोहित, धोनी और उदय प्रथम

कुश्ती प्रतियोगिता के 57 किलोग्राम भार वर्ग में मोहित प्रथम, राहुल द्वितीय और गर्व तृतीय स्थान पर रहे। 61 किलोग्राम भार वर्ग में धोनी ने प्रथम, सागर ने द्वितीय और विशाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 65 किलोग्राम भार वर्ग में उदय प्रथम, विकास द्वितीय और रक्षित तृतीय स्थान पर रहे।

एथलेटिक्स में इन खिलाड़ियों को सफलता

एथलेटिक्स स्पर्धाओं की 100 मीटर दौड़ में रोहित ने प्रथम, कुशल ने द्वितीय और मयंक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में गौरांश प्रथम, गुलशन द्वितीय और कुशल तृतीय स्थान पर रहे, जबकि 5 किलोमीटर दौड़ में रवि ने पहला, हिमांशु ने दूसरा और अमृत ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं रस्साकशी के मुकाबलों में सात टीमों ने भाग लिया, जिनमें से कलायत बी और गुहला ए की टीमें फाइनल में पहुंचीं।

सुरसरिता कार्यक्रम में कलाकारों ने मचाया धमाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति देते कलाकार।

संगीत जीवन में एक अहम भूमिका निभाता है। संगीत के बिना जीवन अधूरा है। संगीत मानव जीवन का एक अभिन्न अंग है जो भावनाओं को व्यक्त करने, तनाव कम करने, खुशी और ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ मस्तिष्क को सक्रिय करता है। युवा कलाकार जब संगीत के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं तो न केवल लोगों को सफल मनोरंजन मिलता है, बल्कि कलाकारों को भी आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। ये कहना था मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी का। वे हरियाणा कला परिषद द्वारा आयोजित साप्ताहिक संध्या में आयोजित कार्यक्रम सुरसरिता के दौरान बतौर मुख्यअतिथि लोगों को संबोधित कर रहे थे। हरियाणा कला परिषद द्वारा कला कीर्ति भवन में प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाली साप्ताहिक संध्या में सुरसरिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शास्त्रीय वाद्य वृंद के माध्यम से कलाकारों ने विभिन्न रागों और हरियाणवी लोक धुनों को प्रस्तुत किया।

हरियाणवी लोकधुन सुनाई

इस मौके पर मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम से पूर्व हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंटकर मुख्यअतिथि का स्वागत किया। दीप प्रज्जवलन के साथ प्रारम्भ हुए सुरसरिता कार्यक्रम में द फोक स्ट्रिंग्स बैंड के कलाकारों द्वारा मनिंद्र जांगड़ा के निर्देशन में शास्त्रीय वाद्यवृंद के माध्यम से अलग-अलग रागों और हरियाणवी लोकधुनों को सुनाया। गणेश वंदना से प्रारम्भ हुए कार्यक्रम में कलाकारों ने अलग-अलग वाद्ययंत्रों के माध्यम से गणेश की स्तुति की। इसके बाद हरियाणवी लोकधुनों का सिलसिला प्रारम्भ हो गया। एक के बाद एक धुन कलाकारों के साथ-साथ श्रोताओं को जोड़ती चली गई।

ठंड ने आमजन का जीना किया मुहाल

- मौसम विभाग के अनुसार अभी कोहरा कुछ और दिनों तक लोगों को परेशान करेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। गर्म कपड़े पहनकर गंतव्य की ओर जाता वाहन चालक। फोटो : हरिभूमि

कड़ाके की ठंड ने आमजन का जीना मुहाल कर दिया है। तापमान में लगातार हो रही गिरावट के चलते रात के साथ-साथ दिन के तापमान में भी गिरावट आना शुरू हो गई है। शनिवार को ठिठुरन भरी ठंड से लोग बचाव करते दिखे। शनिवार को पूरा दिन सूर्यदेव के दर्शन नही होने से दिनभर ठिठुरन रही। किसानों की माने तो इस कड़ाके की ठंड के कारण न सिर्फ मनुष्य का जनजीवन अस्त-व्यस्त है बल्कि मवेशियों का जीना भी मुहाल हो गया है। कड़ाके की ठंड के कारण बाजार में भी दिनभर वीरानी छाई रहती है। शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अभी कोहरा कुछ और दिनों तक लोगों को परेशान करेगा। सुबह लोगों को अपने वाहनों की हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। कोहरे के कारण कई ट्रेन लेट रही वही सड़क यातायात प्रभावित रहा जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

अमावस्या पर विश्वकर्मा भक्ति से आलोकित हुआ धीमान ब्राह्मण पंचायत सभा परिसर

कुरुक्षेत्र। अमावस्या के पावन अवसर पर धीमान ब्राह्मण पंचायत सभा में आयोजित 1008 विश्वकर्मा चालीसा माला जागृति अभियान के अंतर्गत 52वाँ पाठ श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थिति रहे। इस पावन आयोजन में सेवा जागृति ग्रुप के कथावाचक विश्वकमादास ने विधिवत विश्वकर्मा चालीसा का पाठ किया। उनके मधुर व ओजस्वी वाचन से पूरा सभा परिसर भगवान विश्वकर्मा की भक्ति में सराबोर हो गया। कथावाचन के दौरान उन्होंने कर्म, सृजन और समाजहित के संदेश को सरल शब्दों में प्रस्तुत किया, जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों ने सामूहिक रूप से भाग लेकर धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता का परिचय दिया। सभा में वक्ताओं ने कहा कि 1008 विश्वकर्मा चालीसा माला जागृति अभियान समाज में आध्यात्मिक चेतना, संस्कारों के संरक्षण तथा सामाजिक एकजुटता को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

एसआईआर पर सवाल उठाकर विपक्ष भारतीय लोकतंत्र की छवि खराब कर रहा : रवींद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

शाहबाद। बातचीत करते भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रवींद्र सांगवान। फोटो : हरिभूमि

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रवींद्र सांगवान ने कहा कि कांग्रेस की घुसपैठियों और फर्जी मतदाताओं को बचाने की राजनीति अब नहीं चलने वाली है। एसआईआर पर कांग्रेस तथ्यहीन, भ्रामक आरोप लगाकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस पार्टी के इन कुप्रयास को जनता कामयाब नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है। मृत, डुप्लीकेट या फर्जी नाम हटाने की यह प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा पारदर्शी रूप से की जा रही है। एसआईआर पर सवाल उठाकर विपक्ष दुनिया में भारत के लोकतंत्र की छवि खराब कर रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधते उन्होंने कहा कि कांग्रेस वो पार्टी है जिसने बार-बार संविधान का दुरुपयोग किया। ये वही लोग हैं जिन्होंने देश पर आपातकाल थोपा। सांगवान ने कहा कि कांग्रेस के नेता अनर्गल आरोप लगाकर लोकतंत्र की छवि को खराब कर रहे हैं। रवींद्र सांगवान ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जिस एसआईआर पर कांग्रेस के नेता छाती पीट रहे हैं उसकी शुरूआत कांग्रेस सरकार के दौरान 1952 में हुई और तब जवाहर लाल नेहरू देश के प्रधानमंत्री थे। दूसरा एसआईआर 1957 में हुआ तब भी जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे।

किसान, गरीब और आम आदमी की आवाज थे ओमप्रकाश चौटाला : डॉ. जसविंदर खैहरा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री, किसानों के सच्चे मसीहा एवं जननायक चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी की पुण्यतिथि के अवसर पर युवा जेजेपी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह खैहरा ने उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि चौधरी साहब का संपूर्ण जीवन हरियाणा की जनता, विशेषकर किसानों, ग्रामीणों, युवाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष को समर्पित रहा। डॉ. जसविंदर सिंह खैहरा ने कहा कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वे एक सशक्त विचारधारा और जनआंदोलन के प्रतीक थे। उन्होंने राजनीति को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम माना। कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी वे अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे और हमेशा आम आदमी की आवाज बनकर खड़े रहे। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब ने हरियाणा के सामाजिक, शैक्षणिक और ग्रामीण विकास में ऐतिहासिक योगदान दिया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी मिसाल हैं। ग्रामीण अंचलों में स्कूलों और शिक्षण संस्थानों का विस्तार, गरीब व किसान परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना तथा शिक्षकों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा उनके दूरदर्शी नेतृत्व को दर्शाते है। युवा जेजेपी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह खैहरा ने कहा कि किसानों के हक, न्यूनतम समर्थन मूल्य, सिंचाई सुविधाएँ और ग्रामीण बुनियादी ढाँचे का विकास चौधरी साहब की प्राथमिकताओं में सदैव शामिल रहा।

कार्यक्रम श्रीमती केसरी देवी लोहिया जयराम स्कूल एवं सैनिक स्कूल, लोहार माजरा में ध्यान सत्र आयोजित

ध्यान से बढ़ती है एकाग्रता और सकारात्मकता : डॉ. मंजू

कुरुक्षेत्र। ध्यान साधना का अभ्यास करवाते डा. मनीश कुकरेजा।

अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में करवाया ध्यान साधना का अभ्यास

कुरुक्षेत्र। भारत विकास परिषद पिहोवा के सभागार में भारतीय संस्थान (पंजी.) की पेहवा इकाई द्वारा व हरियाणा योग आयोग के यशस्वी चेयरमैन डॉ जयदीप आर्य, वाइस चेयरमैन डॉ रोशन लाल, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा मंजू शर्मा, जिला के शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक, एलिमेंट्री शिक्षा अधिकारी इंदु कौशिक व खेल शिक्षा अधिकारी जसबीर, जिला योग समन्वयक डॉ जागीर सिंह तथा जिला कुरुक्षेत्र की योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संवर्धन कमेटी के सचिव एवं भारतीय योग संस्थान के वर्तमान संगठन मंत्री गुलशन ग्रोवर के कुशल मार्गदर्शन में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में एक योग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें हरियाणा योग आयोग के सदस्य व भारतीय संस्थान की हरियाणा प्रांत इकाई के पूर्व संगठन मंत्री डॉ मनीश कुकरेजा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महेश तलवार व टेकचंद बंसल जोकि पिहोवा इकाई के मुख्य शिक्षक व संरक्षक हैं ने मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया। पूनम गर्ग व सरोज गर्ग ने गायत्री मंत्र का पाठ करवाया। पिहोवा इकाई के प्रधान प्रवीण गर्ग ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की व पूरी व्यवस्था उनकी देखरेख में हुई।कार्यक्रम को सफल बनाने में सुषमा गर्ग, नरेंद्र कौर, सुनीता, बबीता, पूजा, सीमा, दीक्षा, शिखा, श्रीमती डॉ. अरोड़ा, अनीता ऐरन, ज्योति, किरण, सुमन, उषा, रेखा ने अपना भरपूर योगदान दिया। भारतीय योग संस्थान (पंजी.) की पेहवा शाखा की मुख्य शिक्षिका पूनम व भारत विकास परिषद के अधिकारियों के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यशाला सार्थक रही।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा सरकार, आयुष निदेशालय पंचकूला और हरियाणा योग आयोग के निदेर्शानुसार, जिला आयुष अधिकारी डॉ मंजू शर्मा के नेतृत्व में पेहवा खंड के श्रीमती केसरी देवी लोहिया जय राम पब्लिक स्कूल एवं सैनिक स्कूल, लोहार माजरा में विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों व स्टाफ को ध्यान साधना का अभ्यास करवाया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ मंजू शर्मा द्वारा बताया गया कि यह आयोजन जिला कुरुक्षेत्र में 17 दिसंबर से 24 दिसंबर तक शिक्षा विभाग, स्थानीय योग संस्थानों व आयुष योग सहायकों के माध्यम से सरकारी व प्राइवेट स्कूलों तथा अन्य संस्थाओं/ कार्यालयों में किये जा रहे हैं। जिला आयुष अधिकारी डॉ मंजू शर्मा, विद्यालय की प्रिंसिपल अंजू अग्रवाल, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर सुरेश कुमार, हरियाणा योग आयोग के सदस्य डॉ मनीष कुकरेजा, जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ जागीर सिंह, भारतीय योग संस्थान के संगठन मंत्री गुलशन कुमार ग्रोवर व जोन प्रधान मिथिलेश चौधरी इत्यादि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कुरुक्षेत्र। ध्यान साधना का अभ्यास करते श्रीमती केसरी देवी लोहिया पब्लिक स्कूल एवं सैनिक स्कूल के विद्यार्थी एवं स्टाफ।

सुंदर बांसुरी वादन के साथ ध्यान साधना करवाई

सभी गण मान्य व्यक्तियों का आयुष विभाग, कुरुक्षेत्र की ओर से अंग वस्त्र पहना कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन गुलशन ग्रोवर द्वारा किया गया। उन्होंने तथा मिथिलेश चौधरी ने प्राणायाम साधना करवाई। डॉ मनीश कुकरेजा ने ध्यान के बारे में जानकारी दी और सुंदर बांसुरी वादन के साथ ध्यान साधना करवाई। आयुष योग सहायक भीम सिंह द्वारा प्रशिक्षित पीएम श्री शहीद सुरेंद्र कुमार व. मा. वि. बारना की छठी कक्षा की छात्राओं गुरलीन एवं दिव्या चौहान ने बेहतरीन कलात्मक योगासन खेल का प्रदर्शन करके सभी का हृदय जीत लिया।

इनका रहा सराहनीय योगदान

भारतीय योग संस्थान (पंजीकृत) ने इस आयोजन में सहयोगी संस्था के रूप में भाग लिया। जयराम शिक्षण संस्थान के निर्देशक श्री एस एन गुप्ता जी का इस आयोजन में सराहनीय सहयोग रहा। अपने उद्बोधन में जिला आयुष अधिकारी डॉ मंजू शर्मा ने कहा कि ध्यान से विद्यार्थियों की बुद्धि प्रखर होकर एकाग्रता व सकारात्मकता बढ़ती है। ध्यान शिविर में हार्टफुलनेस से योग प्रशिक्षक सौरभ, जिला योग विशेषज्ञ मनजीत, आयुष योग सहायक सोनिका, योग इंस्ट्रक्टर स्वाति भी उपस्थित रहे । दोनों विद्यालयों का पूरा शिक्षक स्टाफ व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। आयोग के सदस्य डॉ मनीष कुकरेजा द्वारा सभी गणमान्य व्यक्तियों को आयोग की पत्रिका योगमय हरियाणा देकर सम्मानित किया गया।

विभागों में वाइ ब्रेक अभ्यास करवाया

जिला आयुष अधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि ध्यान शिवरों के साथ-साथ जिला कुरुक्षेत्र में वाइ (योग) ब्रेक का अभ्यास भी कर्मचारियों व अधिकारियों को योग सहायकों के माध्यम से करवाया जा रहा है । इसी कड़ी में आज गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, थानेसर में योग सहायक बाला देवी द्वारा योग प्रोटोकॉल करवाया गया, सारसा पीएचसी में बलवान योग सहायक, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, उमरी में हरदीप योग सहायक द्वारा बीएएमएस विद्यार्थियों तथा कमल किशोर, योग सहायक द्वारा बन गवर्नमेंट स्कूल में वाइ ब्रेक अभ्यास करवाया गया ।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी अजय कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चांदी के गहने, 4 मोबाईल फोन व वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की किए गए हैं। पीडित महिला ने 7 दिसंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 1 दिसंबर 2025 को रामपुर मोड नजदीक धर्मशाला में स्थित उसके घर से आरोपी ने चांदी के जेवरात, मोबाइल फोन व नकदी चोरी कर ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चोरी के आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया

अंबाला। थाना बराडा में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी फिरोज को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता राहुल ने 27 सितंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 26 सितंबर 2025 को मैसर्ज सिंगला हार्डवेयर से आरोपी ने उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

दिव्यांगों के बनाए जा रहे हैं हेल्थ कार्ड

अंबाला। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुरजीत कौर ने बताया कि दिव्यांगजनों के लिए निरामय स्कीम के तहत हेल्थ कार्ड बनाए जा रहे हैं। इस स्कीम के तहत सामान्य कैटेगरी के लिए 500 रुपए स्वास्थ्य बीमा फीस तथा उससे अगले साल 250 रुपये स्वास्थ्य बीमा फीस तथा शेष बीसी/एससी कैटेगरी हेतु 250 रुपये स्वास्थ्य बीमा फीस तथा उससे अगले साल 50 रुपये स्वास्थ्य बीमा फीस लगेगी।

अनाज मंडी से धान चुराते दो गिरफ्तार

जींद। शहर थाना पुलिस ने अनाज मंडी से धान चोरी करते दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अनाज मंडी के आढ़ती दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती देर रात दो युवक उसकी दुकान से दो धान की बोरी चोरी कर ले जा रहे थे। भनक लगने पर दोनों युवकों को काबू कर लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े युवकों की पहचान जींद निवासी शिवाय व सुनील के रूप में हुई है।

सट्टा खाईवाल करता युवक गिरफ्तार

जींद। सदर थाना सफीदों पुलिस ने गांव खेड़ा खेमावती में एक युवक को सट्टा खाईवाल करते काबू कर उसके कब्जे से 1500 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सदर थाना सफीदों पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव खेड़ा खेमावती निवासी गोल्डी गांव में सट्टा खाईवाल का कार्य करता है।

जरूरतमंद बच्चों को जूते वितरित किए

नरवाना। अग्रवाल वैश्य समाज द्वारा सर्दी के मौसम को देखते एसडी स्कूल पतराम नगर में जरूरतमंद बच्चों को जूते वितरित किए गए। प्रधान अर्जुन गोयल ने बताया कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की आवश्यकता को ध्यान में रखते जूते वितरित किए गए।

दो कांग्रेस सदस्यों की ओर से दर्ज करवाई गई थी सात आपत्तियां

निगम चुनाव, वार्डबंदी पर आई आपत्तियों पर सुनवाई पूरी, जारी किया जाएगा फाइनल ड्राफ्ट

- डीसी बोले, सभी आपत्तियों पर सुनवाई पूरी, जल्द मुख्यालय भेजी जाएगी रिपोर्ट, आपत्तियों पर कार्रवाई की किसी को नहीं लगी भनक

वार्डबंदी के तैयार ड्राफ्ट पर एडहॉक कमेटी की ओर से 10 नवंबर से 18 दिसबर तक के बीच लोगों को आपत्तियां दर्ज करवाने का मौका दिया गया था।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

नगर निगम चुनाव को लेकर हुई वार्डबंदी पर आई आपत्तियों पर शनिवार को डीसी अजय सिंह तोमर ने सुनवाई की। सुनवाई के बाद आपत्तियों पर रिपोर्ट तैयार कर शहरी नगर निकाय मुख्यालय भेजी जाएगी। हालांकि आपत्तियों पर लिए गए निर्णय की किसी को जानकारी नहीं दी गई। वार्डबंदी के तैयार ड्राफ्ट पर एडहॉक कमेटी की ओर से 10 नवंबर से 18 दिसबर तक के बीच लोगों को आपत्तियां दर्ज करवाने का मौका दिया गया था। आपत्तियों पर सुनवाई होने के बाद अब वार्डबंदी का फाइनल ड्राफ्ट जारी किया जाएगा। सुनवाई के दौरान मौके पर शहरी स्थानीय निकाय विभाग से प्रतिनिधि एएमसी दीपक सूरा, कार्यकारी अभियंता कम नोडल अधिकारी सौरभ गोयल के साथ-साथ आपत्तियां दर्ज करवाने वाले भी मौजूद रहे।

अंबाला। वार्डबंदी की आपत्तियों पर सुनवाई करते डीसी।

वार्डों के रिजर्व करने की प्रक्रियां लंबित

वार्डबंदी के फाइनल ड्राफ्ट जारी होने के बाद बाद वार्डों के रिजर्वेशन की प्रक्रिया शुरू होगी। अभी तक निगम की ओर से एससी, बीसी व महिलाओं के लिए आरक्षित वार्ड तय नहीं किए हैं। वार्डबंदी पूरी होने के बाद अधिकारी यह प्रक्रिया शुरू करने की बात कह रहे हैं। अभी तक मेयर पद के लिए भी ड्रा निकाला जाएगा। इस पद के लिए ड्रा ने सभी संभावित दावेदारों व दलों की नींद उड़ाई हुई है। क्योंकि बेहद दावेदारों ने मेयर बनने का सपना संजोया हुआ है।

वार्डबंदी पर आपत्तियां, रेलवे लाइन बनी बड़ी समस्या

अंबाला शहर नगर निगम चुनाव को लेकर की गई वार्डबंदी पर आपत्तियां व सुझाव देने का वीरवार को अंतिम दिन था। वार्डबंदी की सीमाएं व ड्राइंग को लेकर वार्ड-10 के कांग्रेसी सदस्य एडवोकेट मिथुन वर्मा व वार्ड-11 की सदस्य राजिंदर कौर ने निगम व डीसी कार्यालय में 7 आपत्तियां जमा कराई थी। साथ ही कुछ सुझाव भी दिए हैं। सदस्य मिथुन वर्मा ने कहा कि वार्ड-1, 2, 4, 10, 11 व 13 में रेलवे लाइनों के दोनों ओर के क्षेत्र जोड़ दिए गए हैं। ऐसा जातिगत समीकरण बनाने के लिए किया गया है ताकि वार्ड को जाति के हिसाब से आरक्षित किया जा सके। वार्डों का एक हिस्सा रेलवे लाइन के इस पार और दूसरा हिस्सा उस पार कर दिया है। इससे लोगों को अपने ही वार्ड के पार्षद तक पहुंचने के लिए रेलवे लाइन को पार करना पड़ेगा। यहां अंडरब्रिज बना है, लेकिन इसमें अक्सर पानी भरा रहता है। इसे महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगों व बच्चों को पैदल पार करना काफी मुश्किल होगा। ऐसे ही ओवरब्रिज की ऊंचाई भी अधिक है। इस पर पर्याप्त फुटपाथ, रैंप और सुरक्षा रेलिंग की व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा वार्ड-1, 2, 15 व 20 को क्षेत्रफल व लंबाई के दृष्टिगत अत्यधिक बड़ा और असंतुलित बनाया गया था। इससे एक छोर से दूसरे तक पहुंचने में ज्यादा समय लगेगा। बता दें कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने 12 दिसंबर को राजपत्र जारी कर शहर के 20 वार्डों की सीमाओं की अधिसूचना जारी की थी। दर्ज करवाई गई आपत्ति में वार्ड-1 रेलवे लाइन के एक तरफ निजामपुर, लाल डोरा घेल, छोटी घेल, बड़ी घेल क्षेत्र हैं। दो रेलवे लाइनों के बीच देवी नगर, दादियाना, मानकपुर, रंगड़ा, लोहगढ़ व डंगडेहरी क्षेत्र हैं। इसी तरह वार्ड-2 में गांव सुल्तानपुर एक तरफ तो दूसरी तरफ काकरू, दशमेश नगर का कुछ हिस्सा, सद्दोपुर, हरिनगर, गुरु नानक नगर, मॉडल गांव मंडौर, सुंदर नगर हैं। वार्ड नंबर 4 में प्रताप नगर पार्ट-1, जसमीत नगर, वीटा एन्क्लेव व पूजा होलसेल कॉम्प्लेक्स रेलवे लाइन के कारण प्रभावित है। वार्ड-10 में कृष्णा कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी एक्सटेंशन व नयागांव के लोग भी रेलवे लाइन के कारण परेशान होंगे।

खराब ई. रिक्शा बेचने पर उपभोक्ता फोरम ने कंपनी पर ठोका जुर्माना

66 साल की महिला ने फोरम में दाखिल की थी याचिका
केस खर्च की एवज में तीन हजार का करना होगा भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने सेवा में कोताही बरतने पर ई-रिक्शा निर्माता और डीलर के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की है। आयोग ने एक 66 वर्षीय महिला की शिकायत पर फैसला सुनाते हुए वाहन दुरुस्त करने और मुआवजा देने का आदेश दिया है। जोगीवाड़ा की रविंद्र कौर ने अपनी आजीविका कमाने के लिए मैसर्स चहल एंटरप्राइजेज (डीलर) से मैसर्स मनिता सिटी मोटर्स (निर्माता) से नया ई-रिक्शा खरीदा था। इसके लिए उसने अपना पुराना रिक्शा बेचकर कुल 1,31,250 रुपये का भुगतान किया। खरीद के मात्र 15 दिनों के भीतर ही रिक्शा की मोटर और चेंबर में तकनीकी खराबी आ गई। आरोप है कि वारंटी होने के बावजूद डीलर ने नए पुर्जे लगाने के बजाय पुराने और मरम्मत किए हुए पुर्जे लगाए और इसके लिए पैसे भी वसूले। इसके बाद 24 अप्रैल 2024 को यह वाद उपभोक्ता आयोग में दायर किया गया था।

ई-रिक्शा उपभोक्ता अधिकार

पीड़िता ने 1,66,250 रुपये की राशि का दावा और 18 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज की मांग की थी। इसके अलावा मानसिक प्रताड़ना के 50,000 रुपये की मांग की थी। कंपनियों ने तर्क दिया कि ई-रिक्शा का उपयोग व्यवसायिक कार्यों के लिए हो रहा था, इसलिए शिकायतकर्ता उपभोक्ता नहीं है। हालांकि, आयोग की अध्यक्ष नीना संधू और सदस्यों ने इस तर्क को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि स्वरोजगार के माध्यम से आजीविका कमाने के लिए खरीदा गया उत्पाद उपभोक्ता श्रेणी में ही आता है। आयोग ने विपक्षियों को आदेश दिया गया है कि वे ई-रिक्शा के खराब पुर्जों को नए पुर्जों से बदलकर उसे सड़क पर चलने योग्य स्थिति में सौंपेंगे। महिला को हुई मानसिक पीड़ा और प्रताड़ना के लिए 10,000 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। इसके साथ ही शिकायतकर्ता को 3,000 रुपये अदालती खर्च के रूप में दिए जाएंगे। आ 45 दिनों के भीतर आदेश की पालना करनी होगी। अन्यथा 8% वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

सहयोगियों के तबादले पर भड़के कर्मचारी, जमकर की नारेबाजी

अंबाला। नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन (एनआरएमयू), अंबाला मंडल के आह्वान पर दूसरे दिन भी रेल कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी रहा। कर्मचारियों ने शाखा अधिकारी सीनियर डीएमई (कै.एवं वै.) के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन कैंट रेलवे स्टेशन के नजदीक बीसीएन आरओएच डिपो में भोजन अवकाश के समय किया गया। कर्मचारियों ने अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध जताया। एनआरएमयू के मंडल अध्यक्ष हरनाम सिंह ने अधिकारी पर आरोप लगाते हुए कहा कि शाखा अधिकारी ने खानआलमपुरा यार्ड (सहारनपुर) डिपो में कार्यरत चार रेल कर्मचारियों का स्थानांतरण अनुचित ढंग से बठिंडा में कर दिया है। यूनियन इन तबादलों को अन्यायपूर्ण और तानाशाही रवैया बता रही है।

होनहार क्रिकेट खिलाड़ियों का सम्मान

आईपीएल चयन से बढ़ा क्षेत्र का गौरव, तीन खिलाड़ियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार क्रिकेट खिलाड़ियों दक्ष कामरा, अनुज ठकराल एवं अंकित लालड़ के सम्मान में एक गरिमामय स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में खिलाड़ियों की उपलब्धियों को सराहते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या रुबी शर्मा, उपप्रधानाचार्या सुमन शर्मा, विद्यालय के चेयरमेन इंद्रजीत सिंह तथा अनुभवी कोच हरजोत सिंह ने खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत कर शुभकामनाएं दीं।

बराड़ा। खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए ।

खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मंच पर रचा इतिहास

इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने सत्र 2025–2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र और राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। समारोह में विशेष रूप से दक्ष कामरा की उपलब्धि को सराहा गया, जिनका चयन सत्र 2025–2026 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए हुआ है। दक्ष कामरा एक कुशल राइट आर्म लेग स्पिनर होने के साथ-साथ आक्रामक मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज भी हैं। आईपीएल जैसे प्रतिष्ठित मंच पर उनका चयन होना कस्बे के लिए गर्व का विषय है। इसी क्रम में अनुज ठकराल ने भी सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी में डेब्यू करते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

मंत्री विज फिल्म 'धुरंधर' देख बोले, सांपों का सिर कुचलने के लिए हर हिंदुस्तानी को रहना होगा तैयार

- छुपी हुई सच्चाई का खुलासा है 'धुरंधर', पाकिस्तान को इसलिए चुभ रही फिल्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि सांपों का सिर कुचलने के लिए हर हिंदुस्तानी को हमेशा तैयार रहना होगा। धुरंधर फिल्म का यहीं संदेश है। विज शनिवार शाम को अंबाला शहर के सिटी प्लाजा में भाजपा अपने टी-प्वाइंट ग्रुप सदस्यों के साथ धुरंधर फिल्म को देखने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धुरंधर फिल्म में वो दिखाने की कोशिश की गई है जो वैसे कभी नजर नहीं आता। हमारे पड़ोसी मुल्क जहां पर घर-घर में सांप पाले जा रहे है उनको उनके घर में ही कुचलने के लिए इंटेलिजेंस एजेंसियां अपने सिर धड़ की बाजी लगाकर काम कर रही हैं। यह सब इस फिल्म में दिखाने की कोशिश की गई हैं। पिक्चर में यह भी दिखाया गया है कि किस प्रकार वहां पर जो नेटवर्क बने हुए है, उनको उनके ही देश में जाकर तहस नहस किया जा रहा है। यह बहुत अच्छी फिल्म है और शायद पहली बार ऐसी फिल्म आई है जिसमें एक छुपी हुई सच्चाई को दिखाने की कोशिश की गई हैं।

अंबाला। सिटी प्लाजा में फिल्म देखते मंत्री अनिल विज।

आतंकवाद की सच्चाई उजागर

फिल्म में 26/11 की घटना तथा अन्य जो-जो भी घटनाएं हुई उन सारों को इसमें दिखाने का काम किया गया हैं। धुरंधर फिल्म कुछ मुस्लिम देशों द्वारा विरोध किए जाने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि ऐसे देशों को अपनी सच्चाई देखी नहीं जा रही। मैनें यह भी सुना था कि इस फिल्म के काउंटर में पाकिस्तान भी एक फिल्म बनाना चाह रहा है क्योंकि इस फिल्म में पाकिस्तान की सच्चाई दिखाई गई हैं जहां घर घर में सपोले तैयार किए जा रहें हैं। सारे विश्व में जो आतंकवादी घटनाएं हैं उनके लिए वहां तैयारियां की जा रही है।

लायंस क्लब अंबाला सॉलिटेयर ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

अंबाला। लायंस क्लब अंबाला सॉलिटेयर द्वारा समाज सेवा की भावना के तहत सड़क किनारे रहने वाले गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर क्लब सदस्यों ने ठंड के मौसम में असहाय लोगों को राहत पहुंचाने का प्रयास किया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य ठंड से राहत प्रदान कर मानवता के प्रति संवेदनशीलता को सशक्त करना रहा। क्लब के प्रेजिडेंट राजीव जैन ने बताया कि मानव सेवा ही लायंस क्लब का मुख्य उद्देश्य है। भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि संस्था की ओर से कई प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान अंजू जैन, विशाल जैन, वनिता जैन, नितिन मग्गो, शालिनी मग्गो, रोहित जैन, मीनाक्षी जैन, संदीप जैन, रिद्धिमा जैन, सचिन अग्रवाल, नेहा अग्रवाल आदि रहे।

अंबाला। सड़क किनारे रहने वाले लोगों को गर्म कंबल बांटते संस्था के पदाधिकारी।

कोहरे ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार, लेट होने से रेल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

सर्दी में कोहरे का असर अब ट्रेनों पर दिखाई दे रहा है। इस कारण ट्रेनों सहित बसों का संचालन देरी से किया जा रहा है7 रेलवे ने ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही चेतावनी भी जारी की है ताकि कोई दुर्घटना न हो और जान-माल की हानि न हो।

इन ट्रेनों के प्रभावित होने से यात्री परेशान

ट्रेन नंबर 12203 सहरसा-अमृतसर गरीबरथ एक्सप्रेस 7.30 घंटे की देरी से गंतव्य स्टेशन पर पहुंची। इसी प्रकार 12414 जम्मूतवी-अजमेर पूजा एक्सप्रेस 6.30 घंटे, 14507 दिल्ली-फाजिल्का एक्सप्रेस दो घंटे, 12469 कानपुर-जम्मूतवी 3.30 घंटे, 22477 नई दिल्ली-कटरा वंदे भारत तीन घंटे, 12498 अमृतसर-नई दिल्ली शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस तीन घंटे,14610 कटरा-ऋषिकेश 2.30 घंटे, 12715 नांदेढ़-अमृतसर सचखंड एक्सप्रेस 2.30 घंटे, 14521 दिल्ली-अंबाला कैंट दो घंटे, 12413 अजमेर-जम्मूतवी पूजा एक्सप्रेस एक घंटा, 12005 नई दिल्ली-कालका शताब्दी एक घंटा, 12030 अमृतसर-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस 1.10 घंटे, 14681 दिल्ली-जालंधर सिटी एक घंटा, 15211 दरभंगा-अमृतसर जननायक एक्सप्रेस 1.30 घंटे, 15012 चंडीगढ़-लखनऊ एक्सप्रेस 1.20 घंटे, 04652 अमृतसर-जयनगर विशेष ट्रेन 1.30 घंटे, 64513 सहारनपुर-नंगलडैम मैमू एक घंटा, 12053 हरिद्वार-अमृतसर जनशताब्दी 1.30 घंटे, 12903 बांद्रा-अमृतसर 30 मिनट, 14661 बाड़मेर-जम्मूतवी शालीमार एक्सप्रेस 20 मिनट, 20433 सूबेदारगंज-कटरा जम्मू मेल 30 मिनट, 64512 अंब अंदौरा-हरिद्वार मैमू 30 मिनट, 14674 अमृतसर-जयनगर शहीद एक्सप्रेस 20 मिनट, 14526 श्रीगंगानगर-अंबाला कैंट इंटरसिटी एक्सप्रेस 30 मिनट, 19308 ऊना हिमाचल-इंदौर 20 मिनट, 12238 जम्मूतवी-वाराणसी बेगमपुरा एक्सप्रेस 30 मिनट, 19271 भावनगर-हरिद्वार 40 मिनट, 12920 कटरा-डॉ. आंबेडकर नगर मालवा एक्सप्रेस 30 मिनट और ट्रेन नंबर 14679 दिल्ली-अमृतसर इंटरसिटी 1.20 घंटे की देरी से स्टेशन पर पहुंची।

राजयोग ध्यानाभ्यास से आत्मा का होता है सशक्तिकरण

- विश्व ध्यान दिवस 21 को सुभाष पार्क में होगा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

सयुंक्त राष्ट्र ने 21 दिसंबर को "विश्व ध्यान दिवस' के रूप में घोषित किया है। यह मानवता की सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर मेडिटेशन के महत्व को पहचानना और इसे लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना है। दयालबाग स्थित ब्रह्माकुमारीज शांतिधाम सेवा केंद्र द्वारा भी द्वितीय विश्व ध्यान दिवस बड़ी ही हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। कार्यक्रम अंबाला सब जोन निर्देशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

विशाल ध्यान कार्यक्रम का आयोजन

राजयोगिनी आशा दीदी ने बताया कि 21 दिसंबर दिन रविवार को दोपहर 3 से 5 बजे तक सुभाष पार्क, अंबाला कैंट के ओपन थिएटर में बहुत ही सुंदर विशाल भव्य रूपरेखा का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा हैं। इसमें बड़ी एलइडी स्क्रीन पर मेडिटेशन को स्पष्ट कर सभी को सच्ची सुख, शांति व आनंद की अनुभूति कराई जाएगी। दीदी ने सभी लोगों से अनुरोध किया कि वह सभी इस कार्यक्रम में अवश्य पहुंचे। साथ ही अपने परिवार मित्र तथा परिचित लोगों को भी जरूर इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए निमंत्रण दे।

जागरूक शिविर आयोजित हुए

अंबाला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पूरे दिसंबर माह को बच्चों एवं आमजन को विधिक अधिकारों तथा नशा विरोधी अभियान के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम माह के रूप में मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत जिले में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया है। शेष महीने के दौरान भी क्रमवार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव प्रवीण के मार्गदर्शन में डीएलएसए की ओर से 20 दिसंबर 2025 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गरनाला एव बीसी बाजार अंबाला कैंट में पैनल अधिवक्ता सारू जस्सी एव पैनल पीएलवी नेहा परवीन एव राकेश अग्रवाल के सहयोग से जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से चल रहा पांच दिवसीय शिविर समाप्त

आपदा के समय खुद को जनसेवा के लिए विकसित करें छात्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के सौजन्य से तथा उपायुक्त एवं प्रधान जिला रेडक्रॉस सोसायटी के निर्देशन में जिला स्तरीय पांच दिवसीय जूनियर रेड क्रॉस प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन पीएम श्री गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेंडरी स्कूल, माजरा शहजादपुर में किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानव सेवा, सामाजिक दायित्व एवं आपदा के समय सहायता की भावना को विकसित करना रहा। शिविर के समापन समारोह में मौलिक शिक्षा अधिकारी ज्योति रानी एवं प्रधानाचार्य सुमन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उत्साह एवं सेवाभाव की सराहना की। इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान विद्यार्थियों को रेडक्रॉस की विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों, मानव सेवा, जरूरतमंदों की सहायता, नशा विरोधी जागरूकता, टीबी उन्मूलन, यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही विद्यालयों में जूनियर रेड क्रॉस यूनिट की स्थापना के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। जिला रेड क्रॉस सोसायटी की सचिव विजय लक्ष्मी ने बताया कि शिविर में विद्यार्थियों को दुर्घटना के दौरान प्राथमिक सहायता का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा प्रतिभागियों को पौष्टिक आहार अपनाने का संदेश दिया गया तथा विद्यार्थियों का हीमोग्लोबिन स्तर भी जांचा गया।

▶▶ विद्यालयों में जूनियर रेड क्रॉस यूनिट की स्थापना के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

शहजादपुर। शिविर के समापन पर मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

नशा विरोधी जागरूकता रैली निकाली

शिविर में विद्यार्थियों को खुशहाल जीवन के लिए अपनी क्षमता की पहचान, समस्याओं के समाधान तथा परिवार एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। सचिव विजय लक्ष्मी ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिविर में सीखी गई अच्छी बातों को अपने-अपने विद्यालयों में अन्य विद्यार्थियों तक अवश्य पहुंचाएं और मानव सेवा को अपने जीवन का लक्ष्य बनाएं। शिविर के अंतर्गत शहजादपुर क्षेत्र में नशा विरोधी जागरूकता रैली का आयोजन भी किया गया, जिसके माध्यम से समाज को नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कैंप डायरेक्टर मनोज कुमार सैनी ने ट्रैफिक विभाग से आए अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा दी गई सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार सैनी ने विद्यार्थियों को रेड क्रॉस से जुड़कर निरंतर प्रशिक्षण लेने और सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

क्रिसमस स्पेशल

सदियों से मनाया जा रहा प्रभु यीशू के जन्मोत्सव को समर्पित क्रिसमस का पर्व, अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग का नहीं ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है। वैश्विक प्रेरणाओं, मानवीय मूल्यों और व्यक्तिगत संवेदनाओं के संगम से आज का क्रिसमस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम सिर्फ उत्सव न मनाएं बल्कि उत्सव बन जाएं। यही इस दौर के क्रिसमस की सबसे बड़ी और सबसे सकारात्मक उपलब्धि है।

{ कवर स्टोरी / आर. सी. शर्मा }

खुशी-उल्लास-उमंग का ग्लोबल फेस्टिवल क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा पर्व है जो एक समय तक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन आज इक्कीसवीं सदी में यह वैश्विक संवेदना, मानवीय एकजुटता और सामूहिक खुशी का प्रतीक बन चुका है। बदलती तकनीक, तेज रफ्तार जीवनशैली, वैश्वीकरण और सामाजिक विविधताओं के बीच भी क्रिसमस का रोमांच कम नहीं हुआ बल्कि कई अर्थों में और गहरा हुआ है।

परंपरा-आधुनिकता का संगम

आज के दौर में क्रिसमस सिर्फ चर्च की घंटियों, कैरोल्स गाने या क्रिसमस ट्री सजाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसा अवसर बन चुका है, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे में घुल-मिल जाती हैं। सोशल मीडिया पर फैली रोशनियां, डिजिटल ग्रीटिंग्स, वर्चुअल पार्टियां और ऑनलाइन गिफ्टिंग, इन सबने क्रिसमस को एक नए स्वरूप से सजा दिया है। जहां पहले क्रिसमस का अनुभव स्थानीय समुदाय तक सीमित रहता था, वहीं आज यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर टोक्यो, मुंबई और नैरोबी तक हर जगह क्रिसमस की सजावट, संगीत और उल्लास एक साझा भाव पैदा करता है।

खुशियों का नया एहसास

हाल के दशकों में क्रिसमस को लेकर हमारी भावनाओं में निश्चित ही बदलाव आया है। आधुनिक जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलापन बढ़ा है। ऐसे में क्रिसमस एक भावनात्मक विराम की तरह आता है, जहां लोग रुककर रिश्तों, यादों और मानवीय जुड़ाव को महत्व देते हैं। आज की खुशियां सिर्फ उपहारों तक सीमित नहीं रहीं। मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा और साथ होने की अनुभूति अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्रिसमस के समय परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर खाना खाना, पुरानी यादें साझा करना या किसी जरूरतमंद की मदद करना, इन सबमें एक गहरी संतुष्टि छिपी है। यानी खुशी की मात्रा नहीं, लेकिन उसकी गुणवत्ता बदली है। यह अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय हुई है।

करुणा-साझेदारी की प्रेरणा

इक्कीसवीं सदी का क्रिसमस हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक प्रेरणाएं देता है। आज क्रिसमस के साथ चैरिटी, फूड डाइव्स, शेल्टर होम्स और ऑनलाइन फंड रेजिंग जुड़ चुके हैं। लोग यह समझने लगे हैं कि सच्चा उत्सव तभी है, जब खुशियां दूसरों के संग बांटी जाएं। क्रिसमस अब सिर्फ ईसाइयों का पर्व नहीं रह गया। गैर-ईसाई समाज भी इसे एक मानवीय और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाता है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। युद्ध, संघर्ष और अस्थिरता के वर्तमान दौर में क्रिसमस का 'पीस ऑन अर्थ' वाला विचार, पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि शांति कोई अमूर्त सपना नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे व्यवहारों से भी संभव है।

महत्वपूर्ण है अर्थपूर्ण उत्सव

यह सच है कि आधुनिक क्रिसमस में बाजार का प्रभाव बढ़ा है- सेल्स, ऑफर्स और ब्रांडिंग हर जगह दिखती है। लेकिन इसके समानांतर एक नई सोच भी उभर रही है, मिनिमल और अर्थपूर्ण क्रिसमस। आज कई लोग 'कम खरीदो, बेहतर जियो' के विचार के साथ क्रिसमस मना रहे हैं। हैंडमेड गिफ्ट्स, अनुभव आधारित उपहार (जैसे समय देना, साथ घूमना) और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सजावट। ये बदलाव बताते हैं कि खुशी की अतिरिक्त परतें दिखावे से नहीं, सार्थकता से आती हैं।

क्रिसमस मनाने के ऐतिहासिक-धार्मिक संदर्भ

क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु का जन्म मानवता को पाप, हिंसा और अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था। बाइबिल की कथा के अनुसार, यीशु का जन्म बेथलेहम में एक गौशाला में हुआ, जहां उनकी माता मरियम ने उन्हें जन्म दिया और यूसुफ उनके संरक्षक थे। यह कथा ईसाई धर्म में विनम्रता, त्याग और करुणा का मूल प्रतीक मानी जाती है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने की परंपरा यीशु के जन्मदिन से जुड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार चौथी शताब्दी में रोमन साम्राज्य ने 25 दिसंबर को यीशु के जन्म दिवस के रूप में स्वीकार किया। इसका एक कारण यह भी था कि इसी समय रोम में 'सैटर्नेलिया' और 'सोल इन्विक्टस' जैसे सूर्य-उत्सव मनाए जाते थे। ईसाई धर्म के प्रसार के दौरान इन लोकप्रिय पर्वों को एक नए धार्मिक अर्थ के साथ जोड़ा गया, जिससे क्रिसमस व्यापक रूप से स्वीकार्य हो सका।

धार्मिक दृष्टि से क्रिसमस सिर्फ जन्मोत्सव नहीं बल्कि ईश्वर के प्रेम के अवतरण का प्रतीक है। ईसाई आस्था के अनुसार यीशु 'ईश्वर के पुत्र' हैं, जो मानव रूप में धरती पर आए ताकि प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दे सकें। इसी कारण क्रिसमस के दौरान चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, मध्यरात्रि मिस्सा, कैरोल गायन और बाइबिल पाठ किए जाते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़ी परंपराएं

क्रिसमस को पारंपरिक रूप से एक धार्मिक, पारिवारिक और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसकी तैयारियां एडवेंट काल से शुरू होती हैं, जो क्रिसमस से लगभग चार सप्ताह पहले आता है। इस दौरान लोग आत्मचिंतन, प्रार्थना और संयम पर ध्यान देते हैं। कई परिवार, घरों में एडवेंट कैंडल जलाते हैं, जो आशा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती है। घरों और चर्चों की सजावट, क्रिसमस की सबसे प्रमुख परंपरा है। क्रिसमस-ट्री सजाना भी इसका प्रमुख अंग है, जिसे रोशनी, सितारों, घंटियों और सजावटी गेंदों से सजाया जाता है। ट्री के ऊपर लगाया जाने वाला तारा बेथलेहम के उस तारे का प्रतीक है, जिसने तीन ज्ञानी पुरुषों को यीशु के जन्मस्थल तक पहुंचाया था। साथ ही कई स्थलों पर नैटिविटी सीन (यीशु के जन्म का दृश्य) लगाया जाता है। क्रिसमस ईव (24 दिसंबर की रात) को चर्चों में मिडनाइट मास होती है, जिसमें प्रार्थना, बाइबिल पाठ और सामूहिक कैरोल्स गाए जाते हैं। क्रिसमस के दिन परिवार और मित्र एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और एक-दूसरे को उपहार दिए जाते हैं। बच्चों के लिए सांता क्लॉज की परिकल्पना खास आकर्षण होती है, जो उदारता और खुशी बांटने का प्रतीक है।

सकारात्मक प्रेरणाओं का उत्स

आज के संदर्भ में क्रिसमस हमें तीन सबसे सकारात्मक बातें सिखाता है।

उम्मीद: चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न हो, क्रिसमस उम्मीद का पर्व है। यह नए सिरे से शुरू करने की प्रेरणा देता है।

रिश्तों की प्राथमिकता: यह पर्व याद दिलाता है कि जीवन की असली पूंजी हमारे संबंध हैं, न कि भौतिक उपलब्धियां।

मानवीय गरिमा: क्रिसमस का मूल संदेश- प्रेम, क्षमा और करुणा, आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। कहने का सार यही है कि इक्कीसवीं सदी में क्रिसमस फेस्टिवल का रोमांच बाहरी चमक से ज्यादा आंतरिक अर्थ में बसता है। हमारी खुशियां शायद अधिक सजावटी नहीं हुईं, लेकिन अधिक सजग जरूर हुई हैं। *

{ अमेजिंग / शिखर चंद जैन }

दुनिया के सबसे अनूठे क्रिसमस-ट्री

क्रिसमस के अवसर पर दुनिया भर में बेशुमार क्रिसमस ट्री सजाए जाते हैं। लेकिन कुछ क्रिसमस ट्री इतने अनूठे तरीके से सजाए जाते हैं कि उनकी भव्यता देखते ही बनती है। यहां हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग क्रिसमस ट्री के बारे में बता रहे हैं।

क्रिसमस का उत्सव क्रिसमस-ट्री के बिना अधूरा है। वैसे तो क्रिसमस-ट्री वास्तव में पाइन, डगलस, बालसम या फर का पेड़ होता है। ये पेड़ सदा हरे-भरे रहते हैं इसलिए इन्हें सजावट के लिए चुना जाता है। लेकिन दुनिया भर में अलग-अलग चीजों के उपयोग से एक से बढ़कर एक कृत्रिम क्रिसमस-ट्री भी खूब बनाए और सजाए जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ अनूठे क्रिसमस-ट्री के बारे में।

टंबलवीड ट्री यूएसए: चांडलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य में मैरिकोपा काउंटी में स्थित एक शहर और फीनिक्स का एक उपनगर है। यह तकनीक और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। यहां टंबलवीड-ट्री नामक प्रसिद्ध क्रिसमस-ट्री है, जिसे हर साल एक खास परंपरा के तहत बनाया जाता है। 1957 से चली आ रही इस परंपरा में हजारों टंबलवीड्स और रोशनी का उपयोग होता है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब आग लगने से शहर की क्रिसमस की सजावट नष्ट हो गई थी। तब लोगों ने इस अनूठे पेड़ का इस्तेमाल किया था। यह पारंपरिक क्रिसमस-ट्री की तरह नहीं है, बल्कि सूखी झाड़ियों (टंबलवीड्स) को इकट्ठा करके बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए लगभग 1,000 से अधिक टंबलवीड्स और 1,200 रंगीन बल्बों का उपयोग किया जाता है।

बिग क्रिसमस-ट्री इटली: यह दुनिया के सबसे अनूठे और सबसे ज्यादा लाइटों वाले क्रिसमस-ट्रीज में शामिल है। इटली के गुब्बीओ में माउंट इजिनो पर बना यह विशाल-ट्री 1981 से मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े क्रिसमस-ट्री के रूप में जाना जाता है, जिसे 1991 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह माउंट इंगिनो की ढलान पर हजारों लाइटों और 7.5 किमी लंबे बिजली के तार से बना एक भव्य लाइट डेकोरेशन से बनता है, जो एक विशाल क्रिसमस-ट्री का आकार लेता है। इसकी ऊंचाई लगभग 750 मीटर और आधार पर चौड़ाई 450 मीटर होती है। इसे आमतौर पर 7 दिसंबर से 6 जनवरी तक सजाया जाता है। हर साल क्रिसमस के समय हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं।

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

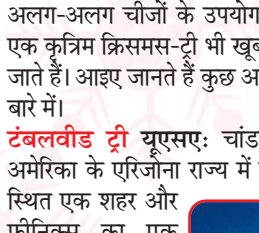

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री, 3 दिसंबर की शाम से ही आम लोगों के देखने के लिए अपनी सजधज के साथ रेडी हो जाता है। यह 75 फुट ऊंचा नॉर्वे स्प्रूस पेड़ है, जो ईस्ट ग्रीनबुश, न्यूयॉर्क से लाया गया है। इसे मैनहट्टन के मध्य में 30 रॉकफेलर प्लाजा में सजाया जाता है। यह 10 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध रहता है। 2004 से स्थापित यह क्रिसमस ट्री 30,000 एलईडी लाइटों से रोशन होता है, जो सौर पैनलों से चलती हैं। 2007 से इस पर 550 पाउंड का स्वारोवस्की क्रिस्टल स्टार लगा हुआ है।

स्काई ट्री जापान: क्रिसमस के अवसर पर जापान के टोक्यो में कई प्रसिद्ध क्रिसमस ट्री और लाइट-अप शोज डेकोरेट किए जाते हैं, जिनमें टोक्यो स्काई-ट्री का विशालकाय क्रिसमस-ट्री भी शामिल है। टोक्यो स्टेशन के मारुनोउची क्षेत्र के पास किट्टे बिल्डिंग के बाहर जापान का यह सबसे बड़ा क्रिसमस-ट्री सजाया जाता है। यह 14 मीटर ऊंचा है। इसे आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। यहां लगभग 500,000 बल्ब्स का शो आयोजित होता है, जो 'क्विंकल थ्री स्टार्स' और अन्य लाइट-अप थीम के साथ प्रदर्शित किया जाता है। किट्टे बिल्डिंग टोक्यो में सबसे ऊंची इमारत है, जो इसका प्रतीक चिन्ह भी बन गया है। इनके निकट ही स्थित ग्योको-डोरी स्ट्रीट और नाका-डोरी स्ट्रीट को भी उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अतिरिक्त क्रिसमस के अवसर पर यहां के ओमोतेसांडो, रोपोंगी और ओडेबा जैसे कई क्षेत्रों में सुंदर लाइटिंग डिस्प्ले आयोजित किए जाते हैं।

ओरिगामी क्रिसमस-ट्री यूएसए: न्यूयॉर्क का वर्ल्ड फेमस ओरिगामी क्रिसमस-ट्री, किसी भी दूसरे क्रिसमस-ट्री से अलग है। यह अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एएमएनएच) में मौजूद है। यह लगभग 13 फीट लंबा पेड़, कागज से बने हुए जानवरों, जड़ी-बूटियों और अन्य आकृतियों से सजाया जाता है, जो ओरिगामी कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के ओरिगामी रंगों में सजा यह पेड़ देखने में बहुत आकर्षक और बेहद रंगीन लगता है। *

{ कविता / हेमधर शर्मा }

कृतज्ञता और कृतघ्नता

जो देता है हम उसे देवता कहते हैं
फिर क्यों हरदम लेने की
इच्छा रखते हैं?
जड़ जिन्हें समझते हैं हम
पौधे-पेड़ सभी तो देते हैं
फिर याचक बनकर ही
खुश क्यों हम रहते हैं?
हो सकता है हों बुद्धिमान हम
दुनिया में सबसे ज्यादा
खुदगर्ज बनाए लेकिन जो
क्या बुद्धि उसी को कहते हैं?
लेता है कोई काम अगर
प्रतिदान नहीं देता है तो
अन्यायी उसे समझते हैं
फिर जड़-चेतन सबसे लेकर
मन में कृतज्ञ भी हो न सके
ऐसा कृतघ्न मानव बनकर
कैसे हम सब जी लेते हैं?

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके।

कैमरों की चमकती चंचल चाहतें

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके। वह तो यह कैमरा ही है, जिसके आते ही तमाम बाराती नागिन हो जाते हैं और उनकी रूमाल से अपने आप ही बीन की धुनें निकलने लग जाती हैं। सोचता हूं, कहीं कल जंगल में मोर भी यह कहकर नाचने से इनकार न कर दें कि इधर कैमरे तो हैं ही नहीं। जब कोई फिल्म ही नहीं बना रहा, तो फिर जंगल में ऐसे नाच का आखिर फायदा भी क्या?

धरना, प्रदर्शन, अनशन, घेराव, रैली, भाषण, चुनाव, सबको कैमरे चाहिए। वह भी ऐसे-वैसे नहीं, समाचार चैनलों वाले। एक नहीं, अनेक। हर कोण से कवरेज जरूरी है। जिस काम को दुनिया न देखे, वह काम भी किस काम का? जिन्हें इन कैमरों से ज्यादा लगाव होता है, ऐसे साहसी लोग गुप्त कैमरों से भी भय नहीं खाते। यह जानते हुए कि जमाना स्टिंग ऑपरेशन का है और कभी भी धरे जा सकते हैं, वे तब भी अपना असली काम कर ही डालते हैं।

'आप कैमरे की नजर में हैं।' मैं जहां कहीं पर भी यह बोर्ड लगा देखता हूं, मुझे हंसी आने लगती है। ऐसे बोर्ड चोर को पकड़ने के लिए लगाए गए होते हैं कि उन्हें सहयोग करने के लिए कि यहां हरकत की, तो तू पकड़ा जा सकता है। जा, बिना कैमरे वाली जगह तलाश। मैं सोचता हूं, यदि चोर भी सीसीटीवी कैमरों से भयग्रस्त होकर अपना चौर्य-कर्म त्याग चुके होते, तो हम आए दिन चोरी की वारदात की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को तरस जाते। क्या पता, कैमरा उन्हें नया उत्साह देता हो। अब तो कैमरों को प्रोफेशनल फोटोग्राफरों की दरकार भी नहीं रही। सभी के हाथों में मोबाइल कैमरे हैं और सेल्फियों की चमकती हुई चंचल चाहतें। इसके एकनेत्री स्वरूप पर आज पूरा विश्व मोहित है। तभी तो, युद्ध हो या शांति, लोग अपनी आंखों से अधिक इन कैमरों की दिखलाई हुई चीजों पर विश्वास करने लगे हैं। *

{ लघुकथा / चंद्रप्रकाश डाले }

उपेक्षा के आंसू

एआई इमेज

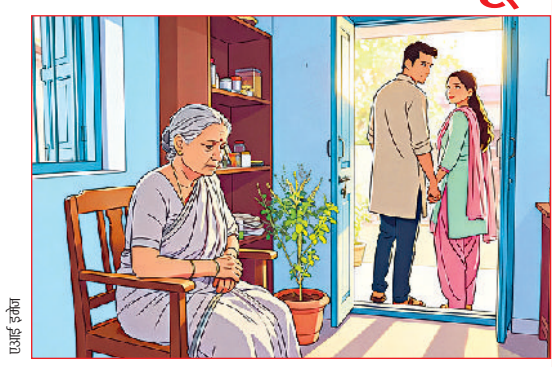

अस्पताल में चार दिनों से भर्ती सविता जी ने नर्स से पूछा, 'सिस्टर, मेरा बेटा आया था क्या?'

नर्स बोली, 'अरे माता जी, आप चार दिन से यही रट लगाए हैं कि बेटा आया है क्या, अरे आज तो आपकी छुट्टी होने वाली है।'

मां की आंखों में आंसू आ गए। रुंधे गले से बोलीं, 'मैं उसकी मां हूं ना। मैंने बड़ी तकलीफ, त्याग और तपस्या से उसको पाला है। इसलिए बार-बार उसके बारे में पूछती हूं। खैर, कोई बात नहीं।'

नर्स बोली, 'माता जी, बस आप तैयार हो जाइए, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, अब आपको घर जाना है, अपने बेटे के पास। आपके बिल वगैरह सब बन गए, उसका पेमेंट भी मिल चुका है।'

सविता ने फिर पूछा, 'मेरा बेटा लेने आया है क्या?'

'नहीं माता जी, ड्राइवर गाड़ी लेकर आया है।' नर्स ने बताया।

कुछ न कहकर, आंखों में आंसू छुपाते हुए सविता जी गाड़ी में बैठकर घर पहुंच गईं, लेकिन बेटे की उपेक्षा से खुद को थका हुआ और निराश महसूस कर रही थीं।

कुछ देर बाद ही बहू के मायके से फोन आया कि उसकी मां की तबियत खराब हो गई है। बहू ने तत्काल अपने पति को ऑफिस में फोन किया और बोली, 'आप तुरंत घर आ जाइए, मेरी मां की तबियत बहुत खराब है। और सुनो चार-पांच दिनों की छुट्टी भी ले लेना। मां को अस्पताल में भर्ती कराकर उनकी देखभाल के लिए वहां रुकना होगा।'

सासु मां की तबियत की खबर सुनकर सविता जी का बेटा तत्काल घर आ गया और जल्दी से तैयार होकर अपनी पत्नी के साथ ससुराल जाने लगा। दरवाजे से बाहर निकलते हुए जैसे उसे कुछ याद आया और वह पलटकर अपनी मां से बोला, 'मां, हम दोनों चार-पांच दिन के लिए जा रहे हैं। आप घर का ख्याल रखना।'

मां ने उन दोनों को जाते हुए देखा। मायूस होकर पास रखी कुर्सी पर बैठ गई। सोचने लगी, अस्पताल में भी वह अकेली थी, अब घर में भी अकेली है। साथ में थे तो सिर्फ आंसू। उपेक्षा से उपजे आंसू। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

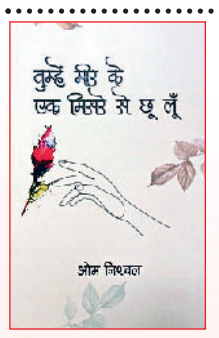

अंतस को छूते गीत

वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल के गीतों का नया संग्रह 'तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं' हाल में छपकर आया है। आज के दौर में जब छंदमुक्त कविताओं की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में अत्यंत कोमलता को खुद में समेटे हुए, रुई के फाहे-से ये गीत हमारी रूह को हौले से छू लेते हैं। इन गीतों में खास तौर पर प्रेम के अनेक रंग तो पैबस्त हैं ही, इनके साथ ही जीवन की विडंबनाएं, अलग-अलग ऋतुओं का सौंदर्य, खेती-किसानी, मिट्टी का सोंधापन, सांस्कृतिक नगरों की छटा, पारंपरिक पर्वों की आभा, ईश्वर के प्रति अहैतुक आस्था और कुछ अनकहे से रिश्तों की खुश्बू को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। गीतों के रचाव और शब्दों के चयन में ओम जी प्रयोगधर्मी रहे हैं, किसी भाषा को लेकर उनकी रचनात्मकता में कोई हठधर्मिता नहीं दिखती है। इसके साथ ही वे पढ़ने वाले के अंतस में भावनाओं का अप्रतिम प्रतिसंसार भी रचते चलते हैं। इसकी बानगी संग्रह के कई गीतों में देखी जा सकती है। अतीत में घटित प्रेम को बेहद मार्मिकता से वे शब्दों में पिरोते हुए कहते हैं, *'पलकें बोझिल और उनींदी रातें होती थीं/बरसों पहले तुमसे कितनी बातें होती थीं।'* तो कहीं जीवन की क्रूरता के समक्ष विवश मन कराह उठता है, *'प्रार्थना में फूल, मन में अर्घ्य देकर/लौट आए डबडबाई आंख लेकर।'* कहीं अपने आराध्य प्रभु की भक्ति में गीतकार का मन पुलकित होकर गा उठता है, *'दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया/आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।'* तो कहीं प्राचीन नगर के सांस्कृतिक वैभव को देखकर वे अंतस के उल्लास को व्यक्त करने से रोक नहीं पाते, *'काशी के घाट निराले, रे भैया/काशी के घाट निराले।'* और प्रेम मिलन को व्यक्त करती ये पंक्तियां तो बेमिसाल हैं, *'पलकों को होठों की धड़कन से छू लूं/सुनाऊं गजल कोई गालिब की तुमको/तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं।'* *

पुस्तकः तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं (गीत-संग्रह), रचनाकारः ओम निश्चल, मूल्यः 300 रुपए, प्रकाशकः हिंदी अकादमी, दिल्ली

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 21 दिसंबर 2025

अवसर जब क्रिसमस का हो तो केक का जिक्र होता ही है। घर-घर में इसे बनाया और फ्रेंड्स-रिलेटिव्स के संग एंज्वॉय भी किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केक बनाने की शुरुआत कब हुई? इसका आकार, स्वाद कैसे बदला? जानिए, केक से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

टेस्टी केक से जुड़ी अनूठी-रोचक बातें

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चे ही नहीं, बड़ी उम्र के भी अधिकांश लोगों को केक खाना पसंद होता है। किसी का बर्थडे हो या मैरिज एनिवर्सरी या कोई और सेलिब्रेशन, खुशी और जश्न के खास मौकों पर केक कट कर खिलाने का चलन है। केक खाने में जितने यमी होते हैं, उतनी ही दिलचस्प इससे जुड़ी कुछ बातें भी हैं। इनके बारे में यहां बता रहे हैं।

कैसा था शुरुआती केक: शुरुआती दौर में बनने वाले केक आज की तरह सॉफ्ट, डिजाइनर और अट्रैक्टिव नहीं होते थे। ये अनाज के बने हुए सघन और चपटे (डेंस और फ्लैट) होते थे। इन्हें पीसे हुए अनाजों में खमीर (यीस्ट) उठाकर बनाया जाता था। फिर इन्हें सुखाकर जमाया जाता था। आज हम जिस तरह के केक का आनंद लेते हैं, उनसे मिलते-जुलते केक 18वीं-19वीं शताब्दी में बनने शुरू हुए।

ऐसे हुई क्रिसमस केक की शुरुआत: रोम में शुरुआती दौर में क्रिसमस के अवसर पर मीठी रोटियां बनाई जाती थीं। मध्यकाल तक आते-आते इन मीठी रोटियों का स्थान प्लम-पॉरिज (आलू बुखारा, ओट्स, फ्रूट्स, ड्राय फ्रूट्स आदि मिलाकर बनाया गया दलिया) ने ले लिया। 16वीं सदी तक आटे, अंडे, मक्खन से प्लम केक बनने शुरू हो गए। इसे 'ट्वेल्थ नाइट केक' कहा जाता था। धीरे-धीरे ये ट्वेल्थ नाइट केक, क्रिसमस के उत्सव का एक अभिन्न हिस्सा बन गए। आज क्रिसमस के अवसर पर हम जो 'फ्रूट केक' या 'आइस्ड केक' खाते हैं, वह इसी ट्वेल्थ नाइट केक का अपडेटेड वर्जन है।

केक पर सर्वाधिक कैंडल्स जलाने का रिकॉर्ड: क्या आप जानते हैं कि बर्थडे केक पर सबसे अधिक कैंडल्स जलाने का एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है? जन्मदिन के केक पर सबसे ज्यादा मोमबत्तियां जलाने का विश्व रिकॉर्ड 2016 में आश्रिता फुरमान और न्यूयॉर्क स्थित श्री चिन्मय केंद्र ने बनाया था, जब केक पर 72,585 मोमबत्तियां जलाई गई थीं। यह केक ध्यान गुरु श्री चिन्मय के 85वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में बनाया गया था। श्री चिन्मय केंद्र के 100 सदस्यों ने मिलकर यह अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

बर्थडे पर केक काटने की शुरुआत: जन्मदिन के अवसर पर दुनिया के अधिकांश देशों में केक काटा जाता है, खाया-खिलाया जाता है। माना जाता है कि 16वीं-17वीं सदी में जर्मनी में पहली बार छोटे बच्चों का जन्मदिन मनाने के लिए केक बनाना शुरू किया गया। इस केक को 'किंडरफेस्ट' कहा जाता था। ये केक दिखने में आज के केक से काफी मिलते-जुलते होते थे। फिर धीरे-धीरे केक बर्थडे सेलिब्रेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता गया।

पॉपुलर केक फ्लेवर्स: जन्मदिन के केक की बात करें तो ज्यादातर लोगों के लिए चॉकलेट सबसे पसंदीदा फ्लेवर होता है, उसके बाद नंबर आता है वनीला फ्लेवर का। जर्मन चॉकलेट केक दुनिया के सबसे मशहूर केक्स में से एक है। इंटरेस्टिंग बात यह है कि 'जर्मन चॉकलेट केक' की उत्पत्ति जर्मनी में नहीं हुई थी। दरअसल, इसका संबंध सैमुअल जर्मन नामक एक अमेरिकी व्यक्ति से था, जिन्होंने 1852 में एक डार्क बेकिंग चॉकलेट बनाई थी। इसे 'जर्मन्स स्वीट चॉकलेट' के नाम से जाना जाता था। 1957 में इस रेसिपी का इस्तेमाल केक बनाने में किया गया और 'जर्मन्स चॉकलेट केक' शीर्षक से प्रकाशित किया गया था। तब से इसे इसी नाम से जाना जाता है। *

केक से रिलेटेड कुछ इंटरेस्टिंग फैक्ट्स

- दुनिया का सबसे महंगा केक 'पाइरेट्स फैंटेसी' था जिसकी कीमत लगभग 35 मिलियन डॉलर थी।

- शिकागो के पैट्रिक बर्टोलेटी 'डीप डिश' ने 2012 में छह मिनट में 72 कप केक खाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- कप केक की रेसिपी गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली रेसिपीज में से एक है।
- दुनिया का सबसे ऊंचा केक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के कुछ स्कूली बच्चों के नाम है। 33 मीटर (108.27 फीट) ऊंचे इस केक को हाकासिमा-निलासरी कलिनरी स्कूल के बच्चों ने क्रिसमस के अवसर पर बनाया था।
- पुराने जमाने में इंग्लैंड में मान्यता थी कि तकिए के नीचे 'फ्रूट केक' रखकर सोने से सुंदर पति मिलता है। इसे 'ड्रीमिंग केक' भी कहा जाता था।

पहला मैरिज फंक्शन केक

आजकल शादियों में भी केक काटने का ट्रेंड बढ़ने लगा है। यह परंपरा कब से शुरू हुई, यह तो पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता, मगर पहले विवाह केक का उल्लेख 1858 में मिलता है। यह ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया की सबसे बड़ी बेटी (उसका नाम भी विक्टोरिया था) के मैरिज फंक्शन के लिए बनाया गया था। प्रिंसेस विक्टोरिया का विवाह केक तीन गज चौड़ा और 300 पाउंड वजन का था, लेकिन वह सिर्फ एक मंजिला था। उनकी शादी के केक पर सफेद आइसिंग का पहली बार इस्तेमाल किया गया था। तभी से इस तरह की आइसिंग को 'रॉयल आइसिंग' के नाम से जाना जाता है।

हम जो चाहते हैं, हमेशा वैसा ही हो, यह हमारे हाथ में नहीं है। लेकिन खुश रहना हमारे हाथ में है। कुछ छोटी-छोटी बातों और आदतों को अगर हम अपने जीवन का हिस्सा बना लें तो यकीन मानिए, हम हमेशा खुश रह सकते हैं। ऐसी ही कुछ काम की बातों के बारे में जानिए।

अपना लें ये आदतें हमेशा रहेंगे खुश

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

किसी ने कितनी सही बात कही है, 'अपने दुःखों को भगाने का एक ही रास्ता है, खुश रहना।' सब खुश रहना चाहते हैं लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि खुशियों को अपने दामन में समेट कर कैसे रखा जाए? डॉ. ए. शिंडलर के अनुसार, 'दुःख ही सभी मनोदैहिक रोगों का एकमात्र कारण है और खुशी ही एकमात्र उपचार है।' डिजीज शब्द का अर्थ ही दुःख की अवस्था है। डिज-ईज यानी आराम से न रहना। दरअसल, खुशी एक मानसिक स्थिति है, जो काफी हद तक हमारी आदतो पर निर्भर करती है।

क्या है हैप्पी-ओलॉजी: विशेषज्ञों का मानना है कि खुशी हासिल करने का एक वैज्ञानिक नजरिया भी होता है और हर कोई अपने दैनिक जीवन में खुश होने के लिए छोटे-छोटे कारण ढूंढ़ सकता है। इसे ही 'हैप्पी-ओलॉजी' कहते हैं। इसके मुताबिक किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थिति से खुश या संतुष्ट होना आपके ऊपर निर्भर करता है। आप चाहें तो किसी बात से चिढ़कर गुस्सा या उदास हो सकते हैं और आप चाहें तो इन नकारात्मक भावनाओं से ऊपर उठकर खुद को खुश रख सकते हैं, यानी खुश रहना हमारे हाथ में है। सुविख्यात लेखक एवं विद्वान डेल कार्नेगी ने भी कहा है, 'प्रसन्नता बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, वह हमारे मानसिक दृष्टिकोण से संचालित होती है।' विलियम जेम्स ने कहा है, 'हम इसलिए नहीं हंसते कि हम खुश हैं, बल्कि हम इसलिए खुश हैं कि हम हंसते हैं।'

खोज लीजिए अपना हैप्पियोलॉजिस्ट: व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, आप खुद अपना हैप्पियोलॉजिस्ट खोज सकते हैं। अपने इर्द-गिर्द एक ऐसे इंसान को ढूंढ़ निकालें, जो आपके हिसाब से सदा खुश रहता है और उसे अपना आदर्श यानी हैप्पियोलॉजिस्ट बना लें। आप देखेंगे कि ये लोग जरा-जरा सी बातों में ही बच्चों की तरह खुश हो जाते हैं और खिलखिलाकर हंसने लगते हैं। ये खुशी हमारे सोचने के तरीके पर निर्भर करती है। कोई चाहे तो 10 रुपए की ऑरेंज आइसक्रीम खाकर खुश और संतुष्ट हो सकता है, वहीं आदतन दुःखी रहने वाला इंसान 100-150 की ब्रांडेड आइसक्रीम खाकर भी दुःखी ही नजर आएगा और उसके स्वाद में कोई न कोई नुक्स ढूंढ़ निकालेगा।

छोटी-छोटी चीजों में खोज लें खुशी: वैज्ञानिकों ने अपनी स्टडीज में पाया है कि खुश होने के लिए आप बड़ी चीजों का इंतजार न करें, छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढ़ें। मिरियम लीगलर ने अपनी पुस्तक 'फाइंडिंग योर इनर हैप्पियोलॉजी' में लिखा है, 'हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत-सी सामान्य चीजें ऐसी हैं, जिनसे हम खुशी महसूस कर सकते हैं। बस इन चीजों के प्रति हमारा नजरिया ऐसा होना चाहिए।'

ठान लें कि खुश रहना है: वाल्टेयर ने कहा है, 'मैंने खुश रहना चुना, क्योंकि यह मेरे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।' इस संबंध में अब्राहम लिंकन की बात भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था, 'अधिकांश लोग लगभग उतने ही खुश होते हैं, जितना खुश रहने का वे मन बनाते हैं।'

हैप्पियोलॉजिस्ट सुजाना हैलोनेस किसी समय एक दुःखी और निराश इंसान थीं। उन्हें अपनी जिंदगी और जॉब से बेशुमार शिकायतें थी। एक दिन अचानक उन्होंने खुद को बदल डाला। अब वे हैप्पीनेस के प्रोजेक्ट पर काम करती हैं और बेहद खुश रहती हैं।

खुशी से मिलेगी सफलता: सुजाना हैलोनेस अपनी वेबसाइट पर लिखती हैं, 'मैंने सीख लिया कि सफलता से खुशी नहीं मिलती बल्कि खुशी से सफलता मिलती है।' खुश रहने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है, साथ ही हमारी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी भी बढ़ती है। लोगों के साथ रिश्ते भी इंप्रूव होते हैं। जाहिर है, खुशी सफलता का माध्यम बन जाती है। सुजाना कहती हैं, 'खुशी एक अभ्यास है, मंजिल नहीं।'

मुस्कुराइए-हंसिए हर रोज: ब्रिटेन के हिप्नोटिस्ट और व्यवहार विज्ञानी पॉल मैकेना ने अपनी किताब 'आइ कैन मेक यू हैप्पी' में लिखा है कि रोज 20 बार हंसें और 20 बार मुस्कुराएं। भले ही आपको ऐसा जबरन करना पड़े। मुस्कुराने और हंसने से आपके शरीर में सेरोटोनिन रिलीज होता है, जो एक फील गुड हॉर्मोन है। कुछ दिनों बाद आप खुश रहने के अभ्यस्त हो जाएंगे। *

इसलिए कहते हैं मैरी क्रिसमस!

जानकारी / अलका 'सोनी'

क्रिसमस का त्योहार लगभग पूरी दुनिया में मनाया जाता है। सभी देश अपने-अपने तरीके से इसे मनाते हैं। इसे मनाने का तरीका चाहे जो भी हो, एक बात जो हर जगह कॉमन होती है वह है क्रिसमस की शुभकामनाएं एक-दूसरे को देते हुए 'मैरी क्रिसमस' बोलना। अन्य मौकों पर, चाहे वो न्यू ईयर हो या फिर होली, दीवाली जैसे त्योहार। लोग एक-दूसरे को 'हैप्पी' बोलकर शुभकामनाएं देते हैं, जैसे- 'हैप्पी न्यू ईयर', 'हैप्पी दिवाली' आदि। लेकिन क्रिसमस के लिए बोलते हैं- मैरी क्रिसमस।

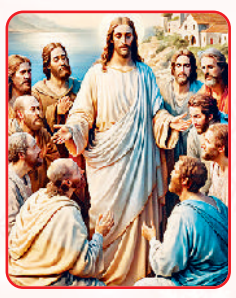

कैसे हुई 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत: क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत को लेकर कई संदर्भ मिलते हैं। सन 1534 में लंदन के बिशप जॉन फिशर ने क्रिसमस के मौके पर हेनरी अष्टम के प्रमुख मंत्री थॉमस क्रोमवेल को पत्र लिखकर 'मैरी क्रिसमस' विश किया था। इसके अलावा मैरी क्रिसमस बोलने का उल्लेख 1843 में लिखे गए चार्ल्स डिकेंस के उपन्यास 'ए क्रिसमस कैरोल' में भी किया गया है।

मदर मैरी के सम्मान में: ईसा मसीह की मां 'मरियम' ईसाई धर्म में बहुत सम्मानित मानी जाती हैं। उन्हें सभी ईसाइयों की माता और मानव जाति में सर्वोच्च इंसान माना जाता है। मरियम को 'मैरी' नाम से भी जाना जाता है। इसलिए एक मान्यता यह भी है कि मदर मैरी के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए 'हैप्पी क्रिसमस' के स्थान पर 'मैरी क्रिसमस' बोलकर क्रिसमस विश किया जाता है।

मतलब है समान: 'मैरी' शब्द का अर्थ हर्षित, आनंदित या उल्लासपूर्ण होता है। यह शब्द अकसर उत्सव और खुशी के अवसरों के साथ जुड़ा होता है। 'हैप्पी' का अर्थ होता है 'खुश' या 'संतुष्ट'। कुछ भाषाविदों का मानना है कि 'हैप्पी' व्यक्तिगत खुशी पर जोर देता है, जबकि 'मैरी' सामूहिक और सांस्कृतिक उत्सव की खुशियों को व्यक्त करता है। क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी' शब्द इसलिए उपयुक्त माना जाता है क्योंकि यह उत्सव और उल्लास के सामूहिक अभिव्यक्ति को बेहतर ढंग से प्रकट करता है। बहरहाल, मैरी या हैप्पी दोनों ही शब्दों का प्रयोग खुशी जाहिर करने के लिए ही किया जाता है। इसलिए आप इनमें से कुछ भी बोलकर विश कर सकते हैं। *

गणित को समृद्ध करने वाले भारत के महान गणितज्ञ

भारत में प्राचीन काल से ही एक से बढ़कर एक गणित के प्रकांड ज्ञानी हुए हैं। राष्ट्रीय गणित दिवस (22 दिसंबर) के अवसर पर हम आपको कुछ महान भारतीय गणितज्ञों के बारे में बता रहे हैं।

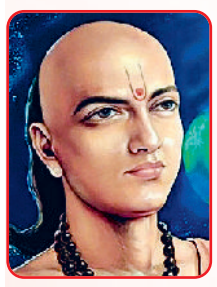

आर्यभट्ट

श्रीनिवास रामानुजन

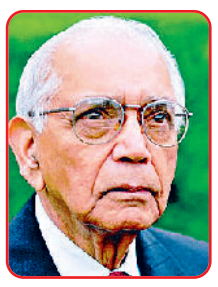

सी. आर. राव

विभूतियां / नेहा जैन

यह हम भारतीयों के लिए गर्व का विषय है कि भारत के विद्वानों ने दुनिया को गणित के महत्वपूर्ण, मूलभूत सिद्धांतों और नियमों की जानकारी दी। 400 ई. से 1500 ई. के बीच के काल को भारतीय गणित का स्वर्ण युग कहा जाता है। इस काल में भारतीय गणितज्ञों ने कई नए गणितीय सिद्धांत दिए। भारतीय गणितज्ञों को कालखंड के हिसाब से मुख्यतया दो भागों में बांटा जा सकता है-पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञ और आधुनिक भारत के गणितज्ञ। पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञों में शामिल कुछ प्रमुख हस्तियां हैं-

आर्यभट्ट (476-550 ईस्वी): इन्हें भारतीय गणित का पिता माना जाता है। आर्यभट्ट ने अपने ग्रंथ 'आर्यभटीय' के माध्यम से गणितीय सोच में क्रांति ला दी। उन्होंने ही स्थानीय मान प्रणाली, शून्य की अवधारणा और त्रिकोणमितीय कार्यों के प्रारंभिक रूपों को प्रस्तुत किया। आर्यभट्ट ने ही 'पाई' के मूल्य की सटीक गणना की, बीजीय समीकरणों के समाधान प्रस्तावित किए और पृथ्वी के अपने अक्ष पर घूमने की व्याख्या की। यह अवधारणा अपने समय से बहुत आगे थी।

ब्रह्मगुप्त (598-668 ईस्वी): शून्य को एक संख्या के रूप में मानने और उसके लिए नियम स्थापित करने वाले ब्रह्मगुप्त पहले व्यक्ति थे। इसके अलावा, उन्हें द्विघात समीकरण का पहला स्पष्ट विवरण देने और गुरुत्वाकर्षण को एक आकर्षक बल के रूप में वर्णित करने के लिए जाना जाता है। 'ब्रह्मस्फुट सिद्धांत' और 'खंडखाद्यक' उनकी दो सबसे प्रसिद्ध कृतियां हैं।

शकुंतला देवी

भास्कर प्रथम (600-680 ईस्वी): इन्होंने संख्याओं को लिखने के लिए हिंदू और अरबी दशमलव पद्धति का प्रयोग सबसे पहले किया था। 'आर्यभटीय' पर उनका विश्लेषणात्मक कार्य, 'आर्यभटीय भाष्य', खगोल विज्ञान और गणित पर सबसे प्राचीन संस्कृत ग्रंथ माना जाता है। उन्हें स्थानीय मान के अनुसार संख्याओं के निरूपण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।

भास्कर द्वितीय (1114-1185 ईस्वी): इन्होंने नक्षत्र वर्ष की लंबाई और चंद्रमा के समीकरण जैसी कई खगोलीय राशियों को परिभाषित किया था। अवकल कलन (डिफरेंशियल कैलकुलस) के सिद्धांतों की खोज, दशमलव प्रणाली का व्यवस्थित उपयोग भी इनकी देन है। इन्होंने ज्यामिति और बीजगणित से संबंधित महत्वपूर्ण ग्रंथों- 'लीलावती' और 'बीजगणिताध्याय' की रचना की।

संगमग्राम के माधव (1340-1425 ईस्वी): यूरोपीय 'कैलकुलस' से सदियों पहले इन्होंने त्रिकोणमितीय श्रंखला विस्तार और घात श्रंखला की खोज की और सूर्यकेंद्रित मॉडल (हीलियोसेंट्रिक मॉडल) जैसे महत्वपूर्ण ग्रहों की गति के मॉडल विकसित किए, जिससे खगोलीय गणनाओं में क्रांति आ गई। इस प्रतिभाशाली गणितज्ञ को साइन और कोसाइन जैसे त्रिकोणमितीय फलनों के लिए अनंत श्रेणी विस्तारों में उनके अग्रणी कार्य के लिए जाना जाता है।

आधुनिक भारत के प्रमुख गणितज्ञों में शामिल हैं-

श्रीनिवास रामानुजन (1887-1920): रामानुजन की स्मृति में ही गणित दिवस मनाया जाता है। इन्होंने संख्या सिद्धांत, गणितीय विश्लेषण आदि में उल्लेखनीय योगदान दिया। विभाजन फलन, सतत भिन्न और अनंत श्रेणी जैसे क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्ट खोजों ने 20वीं सदी में गणित के विकास को बहुत प्रभावित किया। उन्हें अपने समय में आधुनिक विश्व का सर्वश्रेष्ठ गणितज्ञ माना जाता था।

पी.सी. महालनोबिस (1893-1972 ईस्वी): महालनोबिस दूरी और फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण इनके कुछ प्रमुख योगदान हैं।

सी. आर. राव (1920-2023): भारतीय-अमेरिकी गणितज्ञ और सांख्यिकीविद् सी. आर. राव का सांख्यिकी, अर्थशास्त्र, आनुवंशिकी और चिकित्सा जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शकुंतला देवी (1929-2013): शकुंतला देवी को मानव-कंप्यूटर के नाम से जाना जाता था। वे कैलकुलेटर की सहायता के बिना अपनी त्वरित मानसिक गणनाओं के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थीं। त्वरित मानसिक गणना के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है। *

फिल्मों में क्रिश्चियन कैरेक्टर्स क्रिसमस सेलिब्रेशन

सिने ट्रेंड / अशोक वाधवाणी

कई हिंदी फिल्मों में क्रिश्चियन परिवेश, पात्रों और गीतों को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया जाता रहा है। कुछ फिल्में क्रिसमस सेलिब्रेशन से भी जुड़ी रही हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

क्रिसमस, ईसाई धर्मावलंबियों का प्रमुख त्योहार है, जो भारत सहित विश्व भर में 25 दिसंबर को मनाया जाता है। इसे 'बड़ा दिन' भी कहते हैं। बीते दौर से लेकर हाल के वर्षों तक हिंदी में ऐसी कई सारी फिल्में बनती रही हैं, जिनमें क्रिसमस सेलिब्रेशन का जिक्र आया, उससे जुड़े गीत फिल्माए गए, मुख्य पात्र या फिर पूरी कहानी ईसाई समुदाय के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। कई फिल्मों में तो ऐसे ईसाई पात्र दिखाए गए जो सिनेप्रेमियों के जेहन में आज भी दर्ज हैं।

ईसाई पात्र-परिवेश की कहानी: शोमैन राज कपूर ने ईसाई लड़की 'बॉबी' की कहानी पर फिल्म बनाई, जो हिट रही। 1973 में आई फिल्म 'बॉबी' में डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। हिंदू लड़के और क्रिश्चियन लड़की की इस जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। आगे चलकर, साल 1985 में इन्हीं डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर को लेकर रमेश सिप्पी ने फिल्म 'सागर' बनाई। यह डिंपल कपाड़िया की कम-बैक फिल्म थी, जिसमें उन्होंने एक क्रिश्चियन लड़की मोना डी सिल्वा की भूमिका अदा की थी।

साल 1975 में आई फिल्म 'जूली' में एक्ट्रेस लक्ष्मी ने क्रिश्चयन लड़की जूली का लीड रोल प्ले किया था। साथ ही फिल्म के अन्य प्रमुख पात्र भी ईसाई धर्म से संबंध रखने वाले ही थे। इसी नाम से साल 2004 में एक बोल्ड फिल्म बनाई गई, जिसमें नेहा धूपिया ने गोवा में रहने वाली लड़की 'जूली' का रोल किया था। संजीव कुमार की फिल्म 'देवता' (1978) और 'चेहरे पे चेहरा' (1981) की कहानी ईसाई समाज और ईसाई पात्रों के ईर्द-गिर्द घूमती है।

नाना पाटेकर, मनीषा कोईराला और सलमान खान की फिल्म 'खामोशी : द म्यूजिकल' (1996) भी एक क्रिश्चियन परिवार के इर्द-गिर्द बुनी गई प्रेम कहानी है। इसके अलावा शबाना आजमी, मार्क रॉबिंसन, इरफान खान अभिनीत 'बड़ा दिन' (1998), और 'मैरी क्रिसमस' (2024) फिल्मों का नाम क्रिसमस फेस्टिवल पर रखा गया है। इन फिल्मों में इस धर्म-संस्कृति से जुड़े रीति-रिवाज, रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा आदि को भी बखूबी दर्शाया गया है।

यादगार पादरी के किरदार: ईसाई धर्मगुरु यानी पादरी को विशेष आदर, मान-सम्मान दिया जाता है। कई हिंदी फिल्मों में पादरी का कैरेक्टर निभाने वाले आर्टिस्ट्स को खूब सराहना मिली। 'दोस्त' (अभि भट्टाचार्य), 'अमर अकबर एंथोनी' (नाजिर हुसैन), 'तहलका' (जीतेंद्र), 'हत्या' (सत्येन कप्पू), 'खोज' (डैनी), 'देवता' (श्रीराम लागू) आदि कई फिल्में बनी हैं, जिनमें पादरियों के महत्वपूर्ण और यादगार रोल रहे।

कुछ पॉपुलर क्रिश्चियन कैरेक्टर: कई ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जिनमें ईसाई कैरेक्टर या सहायक पात्र लोगों को खूब पसंद आए। 'अनाड़ी' में ललिता पवार का अपनी फिल्मी इमेज के विपरीत सहृदय ईसाई महिला मिसेज एल डीसा का अविस्मरणीय रोल था। ऐसे ही फिल्म 'गैंबलर' में जाहिरा, 'मेरा नाम जोकर' में सिमी ग्रेवाल, 'वो मैं नहीं' में आशा सचदेव, 'मजबूर' में प्राण, 'अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है' में नसीरुद्दीन शाह, 'जाने भी दो यारों' में सतीश शाह और 'अमर अकबर एंथोनी' में अमिताभ बच्चन द्वारा निभाया गया एंथोनी का कैरेक्टर लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

गोवा में फिल्माई गई फिल्में: जब भी भारत में ईसाई परिवेश की बात होती है, गोवा का नाम सबसे पहले याद आता है। बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में बनीं, जिनकी अधिकतर शूटिंग गोवा में हुई। 'जोहर महमूद इन गोवा' (1965) में आई एस. जोहर और महमूद मुख्य भूमिका में थे। अमिताभ बच्चन की 'सात हिंदुस्तानी' (1969) और 'पुकार' (1983) इन तीनों फिल्मों की कहानी गोवा मुक्ति संग्राम पर आधारित थी। शाहरुख खान, सुचित्रा कृष्णमूर्ती अभिनीत 'कभी हां कभी ना' (1994) और शाहरुख खान, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय की फिल्म 'जोश' (2000) के मुख्य पात्र ईसाई ही थे। दोनों फिल्में गोवा में शूट की गईं। ऐसे ही दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइंडिंग फैनी' (2014) गोवा में शूट हुई थी। इस फिल्म के सभी मुख्य पात्र ईसाई हैं। 'गो-गोवा-गॉन' (2013) गोवा में शूट की गई अलग टाइप की कॉमेडी, थ्रिलर है, जिसमें सैफ अली खान, कुणाल खेमू, पूजा गुप्ता आदि मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के मुख्य पात्र भी क्रिश्चियन ही हैं। गोवा में शूट की गई अधिकतर फिल्मों में वहां के चर्च, बीच, ईसाई समुदाय के लोगों की जीवनशैली और संस्कृति को खूबसूरती से फिल्माया जाता रहा है। *

'अमर अकबर एंथोनी' में एंथोनी गोंसाल्वेस के रोल में अमिताभ

कई गीत भी हुए पॉपुलर

बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई गाने भी बने हैं, जो पूरी तरह क्रिसमस से जुड़े हैं। इनमें से कुछ पॉपुलर भी हुए हैं। 'बचपन' फिल्म का गीत 'मदर मैरी, मां हम तेरे दुलारे हैं' प्रेयर है। 'शानदार' में संजीव कुमार सांता क्लॉज की वेशभूषा में गाते हैं, 'आता है, आता है, सांता क्लॉज आता है', 'जख्मी' में 'जिंगल बेल, जिंगल बेल, जिंगल ऑल द वे।' कई गीत ऐसे भी रचे हैं, जिनको सुनते ही समझ आ जाता है कि ये गीत या इसके पात्र ईसाई धर्म से जुड़े हुए हैं। फिल्म 'जमीर' में शम्मी कपूर पर फिल्माया गया गीत 'बड़े दिनों में खुशी का दिल आया...'। 'जूली' में प्रीती सागर की आवाज में अंग्रेजी गाना है, 'माइ हार्ट इज बीटिंग', 'जीते हैं शान से' में 'जूली-जूली जॉनी का दिल तुम पर आया जूली।' गाने में मिथुन चक्रवर्ती अपना प्रेम प्रकट करते हैं। 'सागर' में 'ओ मारिया, ओ मारिया' गाने में कमल हासन, डिंपल कपाड़िया की मस्ती देखने लायक है। 'देवता' का हटकर लिखा गाना है, 'चल बैठें चर्च के पीछे'। ये सभी गाने आज भी लोकप्रिय हैं।